

टेलीकॉम से टेक्नोलॉजी तक आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ रहे कदम: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2026 के 10वें संस्करण का उद्घाटन करते हुए कहा कि पिछले 10–12 वर्षों में मोबाइल फोन केवल आधुनिक संचार का माध्यम नहीं रहा, बल्कि सुशासन का अहम टूल बन गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के केंद्र में मोबाइल फोन को रखकर सरकार ने तकनीक का लोकतांत्रीकरण किया और आम नागरिकों तक सरकारी सेवाओं की पहुंच आसान बनाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए करीब 50 लाख करोड़ रुपए लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाए गए हैं और इससे करीब 5 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि

एक दशक पहले तक भारत में डिजिटल डिवाइड बड़ी चुनौती थी और आधुनिक तकनीक एक विशेषाधिकार बनती जा रही थी। डिजिटल इंडिया अभियान के जरिए सरकार ने इस स्थिति को बदलने का प्रयास किया और मोबाइल फोन को इसके केंद्र में रखा। उन्होंने कहा कि इसके लिए टेलीकॉम क्षेत्र में जरूरी सुधार किए गए, इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार हुआ और मोबाइल फोन तथा अन्य टेलीकॉम हार्डवेयर के भारत में निर्माण पर जोर दिया गया। पीएम मोदी ने कहा कि इन प्रयासों से मोबाइल फोन और डेटा तक आम नागरिक की पहुंच आसान हुई है। मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, भुगतान और सरकारी सेवाओं को लगातार चालू रखने में मदद की। कोविड के दौरान भी भारत का डिजिटल इकोसिस्टम



काम करता रहा और दफ्तरों, बैंकों तथा पढ़ाई जैसी गतिविधियों को जारी रखने में डिजिटल कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सरकार की सैकड़ों सेवाएं मोबाइल फोन पर उपलब्ध हैं और सरकारी मदद सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि के तहत अब तक 4 लाख करोड़ रुपए

से अधिक किसानों के बैंक खातों में जमा किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह राशि हर वार महीने में किसानों को दी जाती है और इसकी जानकारी उन्हें मोबाइल फोन पर संदेश के जरिए मिल जाती है। इससे उन छोटे किसानों तक भी सरकारी सहायता पहुंची है, जो पहले कई योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते थे। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मोबाइल फोन अब सिर्फ चैट या बातचीत का माध्यम नहीं रहा। इससे लोगों की यात्रा कम हुई है, इंतजार घटा है, खर्च कम हुआ है और सुविधाओं तक पहुंच बढ़ी है। उन्होंने इसे तकनीक से मिलने वाला सबसे बड़ा नागरिक लाभ बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में अब साढ़े पांच लाख से अधिक बेस स्टेशन 5जी नेटवर्क का संचालन कर रहे हैं और देश के हर जिले तक 5जी

कनेक्टिविटी पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि मोबाइल इंटरनेट की स्पीड वर्ष 2022 की तुलना में 10 गुना बढ़ी है। मोदी ने कहा कि वर्ष 2022 में इसी मंच से देश में 5जी की शुरुआत हुई थी और 2023 में भारत के 5जी रोलआउट से 5जी रीच-आउट की दिशा में आगे बढ़ने की चर्चा की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस पिछले वर्षों में टेलीकॉम और डिजिटल कनेक्टिविटी में हुए बदलावों की साक्षी रही है। वर्ष 2024 में इसी मंच पर अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) की मौजूदगी में डिजिटल दुनिया के लिए वैश्विक मानकों की जरूरत पर चर्चा हुई थी। पिछले वर्ष निवेश, नवाचार और मेक इन इंडिया पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि आईएमसी अब भारत की प्रगति और उसके सपनों का मंच बनकर उभरा है।

जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, शिकायतों की समयबद्ध हो जांच-अनिल विज



चण्डीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज अम्बाला छावनी स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में लोगों की जनसमस्याएं सुनी और अलग-अलग शिकायतों पर उपायुक्त, अतिरिक्त उपायुक्त और उपमंडल अधिकारी (नागरिक) को मामलों की जांच के लिए कमेटी गठित जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का समाधान निर्धारित समयसीमा में होना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अम्बाला छावनी के गांव मंडोर की भूमि पर कथित रूप से अनाधिकृत कोलोनी कोटो जाने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए विज ने उपायुक्त को निर्देश दिए कि अतिरिक्त उपायुक्त की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित कर मामले की जांच करवाई जाए तथा

रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाए। टुंडला मंडी निवासी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान की छत पक्की करवाने के लिए आवेदन करने के बावजूद एक वर्ष से लाभ नहीं मिलने की शिकायत पर मंत्री ने कड़ा संज्ञान लिया। उन्होंने एसडीएम, अम्बाला छावनी को मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा लापरवाही पाए जाने पर निवेदन की कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर परिषद द्वारा नालों एवं

सीवररेज की सफाई के लिए सफ़िंग एवं जेटिंग मशीन की खरीद से संबंधित शिकायत पर भी विज ने जांच के आदेश दिए। शिकायतकर्ता पार्श्व दे आरोप लगाया कि टैंडर की शर्तों के अनुरूप मशीन की खरीद नहीं की गई। इस पर मंत्री ने एसडीएम, अम्बाला छावनी के नेतृत्व में एक सप्ताह के भीतर जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। प्रौढी टेक्स की बकाया राशि को लेकर विज ने नगर परिषद अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर परिषद द्वारा लगभग 70 करोड़ रुपए का प्रौढी टेक्स वसूला जाना है, जिसकी वसूली के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए, ताकि इस राशि का उपयोग अम्बाला छावनी के विकास कार्यों में किया जा सके। उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों से प्रत्येक वार्ड के विकास के लिए एक-

एक करोड़ रुपये की राशि जारी करवाई गई है और अब अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि इन विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। कबूतरबाजी के मामले में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उससे 26.50 लाख रुपये लिए, लेकिन राशि वापस नहीं की और अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी भी नहीं हुई है। इस पर विज ने बलदेव नगर थाना पुलिस को आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। सरसेडी निवासी महिला ने विदेश भेजने के नाम पर 20 लाख रुपये ऑनलाइन तथा कुछ राशि नकद लेने के बावजूद एजेंट द्वारा न विदेश भेजने और न ही राशि वापस करने की शिकायत दी। मंत्री ने मामले का संज्ञान लेते हुए महेश नगर थाना पुलिस को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई, विपक्ष अराजकता फैलाना चाहता है-गौरव भाटिया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मौजूदा समय में देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है। एक तरफ संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करते हुए जनता की सेवा करने वाली विचारधारा है, जबकि दूसरी ओर विपक्ष है, जो संविधान को कमजोर कर अराजकता का माहौल पैदा कर रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संविधान को मूल भावना का सम्मान करते हुए पिछले 25 वर्षों में पहले मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में संवैधानिक तरीके से देश की जनता की सेवा कर रहे हैं। उनका यह सफर सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। एक तरफ संवैधानिक मूल्यों और जनता की सेवा का संकल्प है, जबकि दूसरी ओर विपक्षी दलों की ओर से लगातार ऐसे बयान दिए जा रहे हैं, जिनसे अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। भाजपा के



राष्ट्रीय प्रवक्ता ने पंजाब में हुए नगर निकाय चुनावों का मुद्दा उठाते हुए आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने पंजाब के 50 नगर निकाय वार्डों में हुए चुनावों को रद्द कर दिया है।

यह फैसला बेहद महत्वपूर्ण है और इससे यह सवाल खड़ा होता है कि जो पार्टी कभी स्वराज के नारे के साथ राजनीति में आई थी, वह आज किस दिशा में जा रही है। आम आदमी पार्टी की सरकार में चुनाव प्रक्रिया में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया गया और विपक्षी दलों के उम्मीदवारों को नामांकन तक दाखिल नहीं करने दिया गया। उन्होंने कहा कि मई 2026

नोएडा में आयोजित होगा स्पेशल हैडलूम एक्सपो, देशभर से आएंगे बुनकर और कारीगर

उमेश तिवारी

में हुए इन निकाय चुनावों की जिम्मेदारी राज्य सरकार की थी। चुनावों के दौरान सामने आई शिकायतों और तथ्यों का संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक सदस्यीय तथ्य-खोज समिति का गठन किया था। इस समिति की जिम्मेदारी पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को सौंपी गई थी। शिकायतों के अध्ययन और जांच के बाद समिति ने सुप्रीम कोर्ट के सामने जो तथ्य रखे, वे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। आम आदमी पार्टी से जुड़े लोगों ने सरकारी तंत्र का कथित रूप से दुरुपयोग करते हुए विपक्षी दलों के उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से रोकने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि यदि किसी उम्मीदवार को नामांकन पत्र तक दाखिल करने का अवसर नहीं दिया जाता है, तो यह सीधे तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करता है।

गौरव भाटिया ने राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल समेत विपक्षी दलों के नेताओं के उन आरोपों की भी सवाल उठाए, जिनमें कहा जाता है कि देश में लोकतंत्र खतरे में है या लोकतंत्र की हत्या की जा रही है।

उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। आगंतुकों को एक ही स्थान पर भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट रंगों, डिजाइनों, बुनाई तकनीकों और शिल्प कौशल को देखने का अवसर मिलेगा। एक्सपो में हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी, जिसमें हथकरघा साड़ियां, सूट, दुपट्टे, शॉल, स्टोल, कुर्ते, धोती, बेडशीट और होम डेकोर से जुड़े वस्त्रों के साथ-साथ पारंपरिक हस्तशिल्प, कलाकृतियां और सजावटी वस्तुएं शामिल होंगी। स्पेशल हैडलूम एक्सपो केवल उत्पादों की प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत की विविध वस्त्र एवं शिल्प परंपराओं को करीब से जानने का अवसर भी है। यह मंच बुनकरों, कारीगरों और उपभोक्ताओं के बीच सीधा संपर्क बढ़ाने के साथ-साथ भारतीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पादों को प्रोत्साहित करने का प्रयास है। विकास आयुक्त (हथकरघा), वस्त्र मंत्रालय की यह पहल हथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्र को मजबूत करने, बुनकरों एवं कारीगरों की आजीविका को समर्थन देने, बाजार के अवसर बढ़ाने तथा भारत की समृद्ध वस्त्र एवं शिल्प विरासत को व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अश्लील कॉन्टेंट से परेशान कंगना रनौत ने खतखटाया कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने इंटरनेट पर उनके बारे में मौजूद कुछ AI से तैयार और कथित तौर पर अश्लील कंटेंट को हटाने की मांग को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कंगना का कहना है कि इस तरह के कंटेंट से उनकी छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच रहा है और उनके पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन हो रहा है। कंगना रनौत ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की। उनके वकील ने कोर्ट के सामने ऑनलाइन मौजूद यौन और अश्लील कंटेंट, फर्जी खबरों और AI से तैयार ऐसे कंटेंट का मुद्दा उठाया, जिसमें कंगना के नाम से गलत बयान जोड़े गए हैं। कंगना की कानूनी टीम ने स्पष्ट किया कि इस समय उनकी मांग सिर्फ अश्लील और कथित तौर पर फर्जी ऑनलाइन कंटेंट को हटाने तक सीमित है। उन्होंने कंगना से जुड़े मीम्स के खिलाफ राहत की मांग नहीं की है। वकील ने कहा कि ऑनलाइन कंगना से संबंधित मीम्स और अन्य आपत्तिजनक या व्याव्यात्मक कंटेंट भी मौजूद हैं, लेकिन फिलहाल उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग नहीं की जा रही है। कंगना की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विकास महाजन ने अभिनेत्री की पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा से जुड़ी याचिका में प्रतिवादी पक्षों को समन जारी किया। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने संकेत दिया कि मामले में अंतरिम आदेश पारित किया जाएगा। इसी सुनवाई के दौरान कोर्ट ने तेलुगु अभिनेता विजय देवरकोंडा की पर्सनैलिटी राइट्स से जुड़ी अलग याचिका पर भी अंतरिम आदेश पारित करने की बात कही। उस मामले में कोर्ट ने समन जारी किया है। विजय देवरकोंडा के वकील ने आरोप लगाया था कि तीसरे पक्ष द्वारा अभिनेता की पहचान और व्यक्तित्व का अनधिकृत व्यावसायिक इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें उनकी छवि से जुड़े गुणों वाले मर्चेंडाइज की बिक्री भी शामिल है।

एनडीए शासित राज्य में कटे 46 लाख से ज्यादा वोटर, अब घर-घर जाएगा चुनाव आयोग

अमरावती। एनडीए शासित राज्य आंध्र प्रदेश में मतदाता सूची को लेकर चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग गुरुवार, 8 अक्टूबर से राज्य में विशेष अभियान शुरू करेगा। इसके तहत ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए गए 46.62 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम और उनकी स्थिति का दोबारा सत्यापन किया जाएगा। यह प्रक्रिया घर-घर जाकर पूरी की जाएगी। आंध्र प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विवेक यादव ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक, बृ्ध लेवल अधिकारी (BLO) अपने-अपने मतदान केंद्रों से संबंधित 46,62,583 हटाए गए मतदाताओं की सूची लेकर घर-घर जाएंगे और उनकी स्थिति का दोबारा सत्यापन



करेंगे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के दौरान 15 जून से 24 जुलाई के बीच हुई गणना के बाद 44.8 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। अधिकारियों को ये लोग उनके दर्ज पते पर नहीं मिले थे। मतदाता की मृत्यु स्थायी रूप से दूसरी जगह चले जाना एक से अधिक जगह नाम दर्ज

होना मतदाता का पता नहीं चल पाना अन्य कारण शामिल थे। चुनाव आयोग के मुताबिक, अगर सत्यापन के दौरान यह सामने आता है कि किसी पात्र मतदाता का नाम गलती से हटा दिया गया है, तो उसे फॉर्म-6 भरने में मदद की जाएगी। जरूरी सत्यापन के बाद उसका नाम निरंतर अपडेट प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। विवेक यादव

ने कहा कि आयोग का उद्देश्य पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करना और अपात्र नामों को बाहर रखना है। ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद नोटिस प्रक्रिया के दौरान 6 अक्टूबर तक 1.73 लाख मतदाता ऐसे पाए गए, जो अंतिम मतदाता सूची में शामिल होने के लिए पात्र नहीं थे। आंध्र प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची 16 अक्टूबर को प्रकाशित की जानी है। BLO की घर-घर जाकर की गई गणना के बाद मृत, दूसरी जगह जा चुके और एक से अधिक जगह दर्ज मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। इसके बाद 31 जुलाई को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित की गई थी। इस ड्राफ्ट सूची में राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 3.7 करोड़ से अधिक थी। SIR 2026 के तहत अंतिम मतदाता सूची 16 अक्टूबर को जारी की जाएगी।

सीएम सर, शूटिंग मोड से बाहर निकलिए; थलपति विजय पर स्टालिन का निशाना किस बात पर घेरा

नई दिल्ली। तमिलनाडु में थलपति विजय की सरकार निशाने पर आ गई है। राज्य में पिछले 24 घंटों में हुई कई हिंसक वारदातों को लेकर एमके स्टालिन ने मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय पर तीखा हमला बोला है। स्टालिन ने राज्य की कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त होने का आरोप लगाते हुए कहा कि तमिलनाडु में अब लोग ना तो अपने घरों में सुरक्षित हैं और ना ही बाहर। अपराध के बढ़ते मामलों को लेकर विजय पहले भी निशाने पर आए हैं। एमके स्टालिन ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में अपना गुस्सा जाहिर किया। राज्य में अपराध की हालिया घटनाओं की एक लिस्ट शेयर करते हुए स्टालिन ने कहा, उतर हो, दक्षिण हो, पश्चिम हो या राजधानी हर तरफ अपराध चरम पर है। चाहे कड़कती धूप हो या आधी रात, तमिलनाडु खून से लथपथ है। उन्होंने विजय पर एक के बाद एक सवाल दागते हुए पूछा कि पुलिस यहां गश्त भी कर रही है या नहीं। डीएमके प्रमुख ने उन्होंने तिरुत्तनी में 41 वर्षीय व्यक्ति की हत्या का जिक्र किया। कथित तौर पर उसने अपनी नाबालिग बेटी को परेशान किए जाने की शिकायत की थी। इसके बाद उसकी हत्या हो गई। वहीं स्टालिन ने सेलम में बुजुर्ग महिला जनाबाई की कथित हत्या का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि दिन-दहाड़े उनके घर में घुसकर उनकी गला घोटकर उनकी हत्या कर दी गई और गहने लूट लिए गए। स्टालिन ने पुलिस थाने में जमानत के लिए दस्तखत करने के बाद एक शख्स की हत्या का भी मुद्दा उठाया। डीएमके अध्यक्ष ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाई गई विशेष पुलिस फोर्स सिंगपेन के कामकाज पर भी सवाल उठाए। अपने बयान में डीएमके प्रमुख ने कहा, लोग थानों में शिकायत दर्ज कराने जाते हैं और खुद शिकायतकर्ता की ही हत्या हो जाती है। यह अराजकता कब खत्म होगी राज्य में गुह मंत्रालय सभाल रहे मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को निशाने पर लेते हुए स्टालिन ने कहा कि मुख्यमंत्री को बहानेबाजी बंद कर स्थिति की गंभीरता को समझना चाहिए।

संपादकीय (उमेश कुमार तिवारी)

भरोसे पर भी खरे उतरे सेलिब्रिटिज

विज्ञापनों के प्रति सेलिब्रिटिज की जवाबदेही को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की हालिया टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि अपने उत्पादों को बेचने के लिए सेलिब्रिटिज का उपयोग सबसे अधिक किया जाता रहा है। विज्ञापनदाता जानते हैं कि लक्षित उपभोक्ता तक पहुंचने में सेलिब्रिटिज की भागीदारी महत्वपूर्ण हो जाती हैं। लोग सेलिब्रिटिज पर विष्वास करते हैं और विज्ञापनदाता कंपनियां इसी का लाभ अपने उत्पादों को बाजार दिलाने में करते आये हैं। इसीलिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की टिप्पणी कि सच्चा सितारा रोशनी फैलाता है, अंधेरापन नहीं, आज के संदर्भ में महत्वपूर्ण होने के साथ ही सितारों और सेलिब्रिटिज को समाज के प्रति जवाबदेही समझने का संकेत भी है। दर असल हो रहा है कि पैसे की चकावोध में सेलिब्रिटिज समाज के प्रति जवाबदेही से मुहं मोड़ते दिखाई देते हैं। जब आम जन का सेलेब्रिटिज का भरोसा है तो सेलिब्रिटिज की भी इस भरोसे को बनाए रखने की नैतिक जिम्मेदारी हो जाती है। दरअसल सेलिब्रिटिज को उत्पाद के साथ देखकर आमआदमी आंख मीच कर भरोसे के सहारे खरीदारी करता है। वह उस उत्पाद और सेलिब्रिटिज द्वारा किये जा रहे वादे को सत्य समझता है। ऐसे में सेलिब्रिटी का समाज या लक्षित वर्ग के प्रति और अधिक जिम्मेदारी बन जाती है। विकेता या निर्माता अपने उत्पाद को बेचने पर ध्यान देता है। इसलिए वह अपने उत्पाद के गुणगान अधिक ही करने लगता है तो सेलिब्रिटी के विज्ञापन के सहारे अतिशयोक्तिपूर्ण दावें करने लग जाते हैं। यहां तक कि कई विज्ञापन के दावें तो सत्य के आसपास भी नहीं होते जैसा कि अक्षय कुमार का डॉबर च्यवनप्राश को लेकर विज्ञापन। यह तो एक उदाहरण मात्र है। आज तो सेरेगेट विज्ञापनों का दौर भी चल निकला है। शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्राप का इलायची का विज्ञापन सबके सामने है जिसके माध्यम से छद्म रुप से प्रतिबंधित पान मसाला का विज्ञापन किया जा रहा था। इसी तरह के अनेक विज्ञापन हमारे सामने हैं। हांलाकि इसमें कोई दो राय नहीं कि निर्माता अपने उत्पाद का विज्ञापन करने के लिए सेलिब्रिटिज को बहुत अधिक पेमेंट किया जाता है और इस पेमेंट के चक्कर में सेलिब्रिटिज समाज के प्रति अपने दायित्व और कानूनी प्रावधानों को भी दरकिनार कर देते हैं। यही कारण है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुखती रग पर हाथ रखते हुए 72 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में पिछले माह सितंबर में आयोजित समारोह में आमआदमी का दर्द सामने रखा। विवादित विज्ञापनों का दौर लंबे समय से चला आता रहा है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि अपने उत्पाद को बेचने के लिए सेलिब्रिटिज, महिलाओं और बच्चों को केन्द्र में रखा जाता है। दरअसल लश्चित वर्ग को सम्मोहित करना इन विज्ञापनों का खास उद्देश्य हो जाता है। विज्ञापन करते समय कई बार तो सांप्रदायिकता तक सामने आ जाती है। 2020 का तनिष्क का विज्ञापन इसका उदाहरण है तो 2026 का कृति सेनन का गीवा ज्वेलरी का विज्ञापन सामने हैं। विमल इलायची का फिल्म कलाकर त्रय का विज्ञापन सर्वविदित है जिसमें इलायची के नाम पर छद्म रुप से पान मसाला तंबाकू का ही विज्ञापन था। इस तरह के सेरेगेट विज्ञापन आम होते जा रहे हैं। लेविस 501 जिस का अक्षय कुमार का विज्ञापन, 2021 का आलिया भट्ट का कन्यादान के बहाने कन्यामान विज्ञापन यह फिर 1995 में अजगर से जिस्म को लपेटे मिलिंद सोयन और मधु सप्रे का टफ जूते का विज्ञापन का विवाद आज तक चर्चा में है। 2026 का विक्की कौशल-रश्मिका संधाना का माचो अंडरवियर का विज्ञापन भी विवादाें में रहा है। विज्ञापनों को लेकर सरकार भी गंभीर रही है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 द्वारा जवाबदेही तय की गई है। 10 लाख से 50 लाख तक के जुर्माने के प्रावधान के साथ ही ऐसे विज्ञापनकर्ताओं पर एक साल से तीन साल तक प्रतिबंध के प्रावधान भी है। भ्रामक विज्ञापनों को लेकर माननीय सर्वोच्च न्यायालय भी गंभीर रहा है और समय समय पर टिप्पणियां की गई है। इस दायरें में चार लाख से अधिक कमाई वाले व 5 लाख फालोवरस वाले सेलिब्रिटिज को रखा गया है। हालात की गंभीरता को इसी से समझना होगा कि फिल्म कलाकारों के समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को इस तरह का संदेश देना पड़ा। वैसे भी जिस पर भरोसा होता है या किया जाता है तो भरोसे वाले व्यक्ति पर भी भरोसे को बनाये रखने का दायित्व हो जाता है। विज्ञापननिर्माताओं को भी समाज के प्रति दायित्व को समझना होगा तभी सभी अपने भरोसे पर खरे उतर सकते हैं।

नई दिल्ली

कैप्टन रिमत मच्छर की बहादुरी ने टाली बड़ी हवाई त्रासदी

आसमान में उड़ता हुआ विमान सामान्यतः यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा और मंजिल तक पहुंचने का भरोसा लेकर चलता है। विमान के भीतर बैठे लोग यह कल्पना भी नहीं करते कि कुछ ही क्षणों में वही यात्रा जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष में बदल सकती है। 30 सितंबर 2026 को दुबई से तेल अवीव जा रहे एक विमान में कुछ ऐसा ही हुआ। उड़ान के दौरान ऐसी भयावह स्थिति पैदा हुई, जिसमें विमान में सवार लोगों की जान पर गंभीर खतरा मंडराने लगा। उस समय भारतीय विमान चालक कैप्टन रिमत मच्छर ने जिस साहस, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया, उसकी चर्चा भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक हिस्सों में हो रही है। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान संख्या एफजेड1073 में लगभग 174 यात्री सवार थे। विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था। उड़ान के दौरान विमान में कार्यरत सह-पायलट ने कथित तौर पर कैप्टन रिमत मच्छर पर चाकू से हमला किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमले के बाद विमान की स्थिति अचानक गंभीर हो गई और वह कुछ ही क्षणों में लगभग 14000 फुट नीचे चला गया। इस घटना ने विमान में मौजूद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को भारी संकट में डाल दिया। सबसे कठिन स्थिति यह थी कि जिस व्यक्ति के हाथ में विमान की सुरक्षित उड़ान की जिम्मेदारी थी, उसी पर हमला कर दिया गया था। कैप्टन मच्छर गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया। उपलब्ध विवरण के अनुसार, उन्होंने घायल अवस्था में भी विमान के नियंत्रण और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। उन्होंने कक्ष का दरवाजा खोलने में सफलता प्राप्त की, जिसके बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने मिलकर हमलावर को काबू करने में मदद की। विमान में मौजूद दो अन्य विमान चालकों ने भी स्थिति संभालने

में सहायता की। अंततः विमान को सऊदी अरब के तबूक हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। इस पूरी घटना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि संकट के उस क्षण में कैप्टन मच्छर ने केवल अपने जीवन की चिंता नहीं की। उनके सामने विमान में बैठे सैकड़ों लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी। एक विमान चालक के लिए सामान्य परिस्थितियों में भी निर्णय लेना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, लेकिन जब स्वयं चालक घायल हो, विमान असामान्य स्थिति में हो और कुछ ही क्षणों में बड़ा हादसा हो सकता हो, तब निर्णय लेने की क्षमता की वास्तविक परीक्षा होती है। कैप्टन मच्छर ने इसी परीक्षा में असाधारण धैर्य दिखाया। घटना के बाद कैप्टन मच्छर को तबूक के अस्पताल में भर्ती कराया गया। भारतीय अधिकारियों के अनुसार वह गंभीर रूप से घायल हुए थे, लेकिन उनका उपचार किया जा रहा था और उनकी स्थिति सुरक्षित बताई गई। उनकी बहादुरी की प्रशंसा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी की। इजरायल के स्थिति अचानक गंभीर हो गई और वह कुछ ही क्षणों में लगभग 14000 फुट नीचे चला गया। इस घटना ने विमान में मौजूद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को भारी संकट में डाल दिया। सबसे कठिन स्थिति यह थी कि जिस व्यक्ति के हाथ में विमान की सुरक्षित उड़ान की जिम्मेदारी थी, उसी पर हमला कर दिया गया था। कैप्टन मच्छर गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया। उपलब्ध विवरण के अनुसार, उन्होंने घायल अवस्था में भी विमान के नियंत्रण और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। उन्होंने कक्ष का दरवाजा खोलने में सफलता प्राप्त की, जिसके बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने मिलकर हमलावर को काबू करने में मदद की। विमान में मौजूद दो अन्य विमान चालकों ने भी स्थिति संभालने

सामने लाता है। इस घटना की एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि यात्रियों ने भी संकट के समय असाधारण सहयोग किया। विमान के भीतर उत्पन्न खतरे को केवल चालक दल ने ही नहीं संभाला, बल्कि यात्रियों ने भी हमलावर को काबू करने में मदद की। इससे पता चलता है कि आपात स्थिति में सामूहिक सहयोग कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। एक व्यक्ति की बहादुरी ने रास्ता बनाया, लेकिन उसके बाद कई लोगों के सहयोग ने स्थिति को नियंत्रण में लाने में भूमिका निभाई। इस घटना को केवल एक व्यक्ति की कहानी मानना पूरी तस्वीर को छेटा कर देना होगा। यह साहस, प्रशिक्षण, जिम्मेदारी और सामूहिक सहयोग की कहानी भी है। घटना के बाद विमान सुरक्षित रूप से तबूक पहुंचा और यात्रियों को आगे उनकी मंजिल तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। उपलब्ध समाचारों के अनुसार सभी यात्री सुरक्षित रहे। जिस स्थिति में विमान हजारों फुट नीचे आ गया था, उसमें सुरक्षित अवतरण अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। विमान की आपात स्थिति और उसके बाद हुई घटनाओं की जांच संबंधित अधिकारियों द्वारा की जा रही है। इसलिए सह-पायलट की वास्तविक मंशा, हमले का कारण और घटना के पीछे की पूरी परिस्थितियों के बारे में अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा। कैप्टन मच्छर की बहादुरी को लेकर भारत में भी भावनात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। उत्तर प्रदेश के कुंडा क्षेत्र से विधायक रघुराज प्रताप सिंह, जिन्हें राजा भैया के नाम से भी जाना जाता है, ने उनकी बहादुरी की प्रशंसा करते हुए एक महत्वपूर्ण सुझाव रखा। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे बहादुर विमान चालक को सम्मानपूर्वक भारतीय सेना में विमान चालक के पद पर नियुक्त किया जाए तो यह हमारी गर्व की बात होगी। उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व से इस विषय पर विचार करने का आग्रह

किया। यह फिलहाल एक राजनीतिक नेता द्वारा किया गया सुझाव है, कोई सरकारी नियुक्ति या निर्णय नहीं। राजा भैया की इस मांग ने एक अलग बहस को भी जन्म दिया है। भारतीय सेना में नियुक्तियां निर्धारित नियमों, पात्रताओं और प्रक्रियाओं के अनुसार होती हैं। किसी व्यक्ति की असाधारण बहादुरी निश्चित रूप से सम्मान का विषय हो सकती है, लेकिन किसी विशिष्ट पद पर नियुक्ति का निर्णय संबंधित नियमों और संस्थागत प्रक्रियाओं के अनुसार ही किया जा सकता है। इसलिए राजा भैया की मांग को एक सम्मानजनक सुझाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि किसी घोषित सरकारी फैसले के रूप में। कैप्टन मच्छर की कहानी हमें यह भी याद दिलाती है कि किसी पेशे की असली परीक्षा तब होती है, जब सामान्य परिस्थितियां अचानक असाामान्य हो जाएं। विमान चालक के लिए यात्रियों की सुरक्षा केवल नौकीरी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। कैप्टन मच्छर ने जिस परिस्थिति में अपना संयम बनाए रखा, उसमें उनके सामने अपने जीवन का खतरा भी था और विमान में सवार लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी। ऐसे समय में भय स्वाभाविक है, लेकिन भय के बावजूद जिम्मेदारी निभाना ही साहस का वास्तविक अर्थ है। इस घटना के संदर्भ में कैप्टन मच्छर के कुछ पुराने विचार भी उल्लेखनीय हैं। विमानन क्षेत्र से जुड़ी एक रिपोर्ट में उनके पूर्व कथनों का उल्लेख किया गया है, जिनमें उन्होंने यात्रियों के सुरक्षित विमान से बाहर निकलने को अपनी प्राथमिकता बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि कठिन परिस्थितियों में यात्रियों से संवाद बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। आज जब उनकी अपनी उड़ान में असाधारण संकट आया, तब उनके व्यवहार में भी यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की वही भावना दिखाई दी। आकाश में घंटित यह घटना

कई सवाल भी छोड़ गई है। विमान में चालक दल की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए? यदि चालक दल के किसी सदस्य से ही अचानक खतरा उत्पन्न हो जाए तो ऐसी परिस्थिति से निपटने के लिए क्या अतिरिक्त व्यवस्थाएं होनी चाहिए? आपातकालीन प्रशिक्षण में ऐसी घटनाओं को किस तरह शामिल किया जाना चाहिए? इन प्रश्नों का उत्तर संबंधित विमानन संस्थाओं और जांच एजेंसियों को देना होगा। घटना की जांच से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर विमानन सुरक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जा सकते हैं। फिलहाल सबसे बड़ी बात यह है कि एक बेहद कठिन परिस्थिति में विमान सुरक्षित रूप से जमीन पर पहुंचा और उसमें सवार यात्रियों की जान बच गई। कैप्टन रिमत मच्छर स्वयं घायल हुए, लेकिन उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटने के बजाय संकट का सामना किया। यही कारण है कि उनकी बहादुरी की चर्चा नैतिक दायित्व भी है। कैप्टन मच्छर ने जिस परिस्थिति में अपना संयम बनाए रखा, उसमें उनके सामने अपने जीवन का खतरा भी था और विमान में सवार लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी। ऐसे समय में भय स्वाभाविक है, लेकिन भय के बावजूद जिम्मेदारी निभाना ही साहस का वास्तविक अर्थ है। इस घटना के संदर्भ में कैप्टन मच्छर के कुछ पुराने विचार भी उल्लेखनीय हैं। विमानन क्षेत्र से जुड़ी एक रिपोर्ट में उनके पूर्व कथनों का उल्लेख किया गया है, जिनमें उन्होंने यात्रियों के सुरक्षित विमान से बाहर निकलने को अपनी प्राथमिकता बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि कठिन परिस्थितियों में यात्रियों से संवाद बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। आज जब उनकी अपनी उड़ान में असाधारण संकट आया, तब उनके व्यवहार में भी यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की वही भावना दिखाई दी। आकाश में घंटित यह घटना

विदेशी दान की निगरानी बहुत जरूरी

अब हम एक वैश्विक गांव में रह रहे हैं। नई परिस्थिति में अब एक देश से दूसरे देश में सहायता-राशि हस्तांतरित करना भी बहुत आसान हो गया है। किसी धनराशि के हस्तांतरण का उद्देश्य यदि सचमुच गरीब अथवा विकासशील देशों की मदद करना है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। परंतु, आजकल कूछ देश अन्य देशों में राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उथल-पुथल पैदा करने के उद्देश्य से धनराशि का हस्तांतरण करने का प्रयास करने लगे हैं। विशेष रूप से विकसित देश अपनी औपनिवेशिक, विस्तारवादी नीतियों के अंतर्गत इन देशों में गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओज), न्याय व सामाजिक संगठनों के माध्यम से अथवा अन्य माध्यमों से भारी मात्रा में धनराशि का हस्तांतरण करते हैं, ताकि इन देशों के गरीब-वंचित नागरिकों को बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन कराया जाए और उन्हें ईसाई अथवा मुसलमान बनाया जा सके। हालांकि, धनराशि का हस्तांतरण कुछ अन्य घोषित उद्देश्य के साथ किया जाता है, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, धार्मिक केंद्र के निर्माण, अनुसंधान, मानवीय सेवा और आपदा राहत। अभी हाल ही में श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश आदि छोटे विकासशील देशों में सत्ता परिवर्तन कराने में भी विदेशी अंशदान की विशेष भूमिका रही है। वैश्विक स्तर पर कुछ देशों में जब अन्य देशों द्वारा भेजी जाने वाली धनराशि का उपयोग इन देशों के नागरिकों का धर्म



परिवर्तन कराने अथवा घोषित उद्देश्यों के परे जाता दिखाई देने लगा, तो कई देशों ने विदेशी अंशदान को नियमित करने के उद्देश्य से कानून बनाए जाने के बारे में विचार शुरु कर दिया। बाद में अमेरिका (1938), ऑस्ट्रेलिया (2018), कनाडा (2024), इंग्लैंड (2025) आदि देशों में इस संदर्भ में कुछ सख्त कानून बनाए भी गए। यूरोपीय संघ भी वर्तमान में ऐसी ही व्यवस्था को विधिक रूप देने की प्रक्रिया में है। भारत भी इससे अछूता नहीं रह सका और पात्र संस्थानों द्वारा विदेशी योगदान प्राप्त करने और उसके उपयोग को विकासशील देशों में सत्ता परिवर्तन कराने के उद्देश्य से वर्ष 1976 में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम अधिनियम (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम 2026) संशोधन विधेयक और नए नियमों को लेकर बलावों का विरोध क्यों किया जा रहा है? तथ्यों पर नजर डालें, तो इसका मुख्य कारण पारदर्शिता, जवाबदेही, कानून, वैध कार्य

और जन-विश्वास सुनिश्चित करना है। साथ ही, राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और व्यापक राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है। अमेरिका में वर्ष 1938 में बने कानून में परिस्थिति के अनुसार वर्ष 1960 में और समय-समय पर संशोधन किए गए हैं। हमें भी अपने हित में संशोधन करना चाहिए। देश के गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), धार्मिक संस्थाएं, विपक्षी दल और नागरिक समाज द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है कि इसमें बदलाव नहीं होना चाहिए। यहां सवाल उठता है कि एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) 2026 संशोधन विधेयक और नए नियमों को लेकर बलावों का विरोध क्यों किया जा रहा है? तथ्यों पर नजर डालें, तो इसका मुख्य कारण संपति पर कब्जे की आशंका है। केंद्र

द्वारा प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, यदि किसी संस्था का एफसीआरए लाइसेंस रद्द हो जाता है या नवीनीकृत नहीं होता, तो सरकार विदेशी राशि से बनी संपतियों को प्रबंधन अपने हाथ में ले सकती है। आलोचकों, चर्चों व एनजीओ को डर है कि इससे अस्पतालों, स्कूलों और मिशनरी ट्रस्टों की संपतियों पर सरकारी नियंत्रण बढ़ जाएगा। इसके साथ ही नागरिक समाज की स्वतंत्रता पर असर पड़ेगा। विपक्षी दलों और मानवाधिकार संगठनों का आरोप है कि कड़े प्रावधानों और ‘राजनीतिक प्रकृति’ की गतिविधियों पर रोक के नाम पर सरकार असहमति की आवाजों और स्वतंत्र रूप से काम करने वाले गैर-सरकारी संगठनों को दबाना चाहती है। इसी तरह, धार्मिक और अल्पसंख्यक संस्थाओं को

लेकर चिंता जताई जा रही है। ईसाई और अन्य अल्पसंख्यक संगठनों को यह आशंका है कि नए नियम से उनके मानवीय और सामाजिक कार्य प्रभावित होंगे। ये आशंकाएं जायज हैं। वैसे भी, भारत में एफसीआरए, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों, जो विदेशी अंशदान प्राप्त करते हैं, पर लागू होता है, जबकि कुछ अन्य देशों में तुलनीय वैश्विक कानून का कार्यक्षेत्र विस्तृत है और यह लॉबिस्टर, जनसंपर्क (पीआर) फर्म, थिंक टैंक, विश्वविद्यालयों तथा कंपनियों सहित उन सभी संस्थाओं या व्यक्तियों पर लागू होता है, जो किसी विदेशी संस्था के निर्देश पर कार्य करते हैं, चाहे वे किसी भी क्षेत्र से संबंधित हों। कानूनी की कुछ धाराओं के विरुद्ध असत्य विमर्श खड़े किए जाने के प्रयास हो रहे हैं। हालांकि, भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय की वेबसाइट पर इस बारे में पर्याप्त जानकारी प्रदान की गई है। इसी के आधार पर असत्य विमर्श को ध्वस्त किया जा सकता है। वर्ष 2024-25 में लगभग 16,200 संस्थाएं भारत में सक्रिय रूप से पंजीकृत थीं और उन्होंने लगभग 22,963 करोड़ रुपये के विदेशी अंशदान प्राप्त किया, जो किसी प्रतिबंधात्मक व्यवस्था का संकेत नहीं है। नए प्रावधान को कानूनी जामा पहनाया गया, तो कई सारे मानव सहायता के कार्य प्रभावित होंगे।

चीन-पाकिस्तान रक्षा गठजोड़ और भारत की रणनीतिक विवशता

दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक परिदृश्य में शक्ति संतुलन तेजी से कस्वट बदल रहा है। पिछले कुछ समय में चीन और पाकिस्तान के बीच रक्षा और सामरिक सहयोग जिस आक्रामकता के साथ आगे बढ़ा है, उसने नई दिल्ली के सुरक्षा गलियारों में खतरे की घंटी बजा दी है। हाल ही में चीन द्वारा पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के अत्याधुनिक स्टेल्थ लड़ाकू विमान, विशेष रूप से जे-35 और जे-31 की आपूर्ति करने की खबरें और पाकिस्तानी पायलटों की चीनी वायुसेना के साथ बढ़ती संयुक्त ट्रेनिंग महज एक द्विपक्षीय सैन्य सोदा नहीं है। यह भारत की संप्रभुता, हवाई श्रेष्ठता और दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए एक सीधी और गंभीर चुनौती है। भारतीय वायुसेना के नेतृत्व ने भी इस उभरते खतरे को खुले तौर पर स्वीकार किया है। आज भारत के सामने सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि वह एक तरफ घटती हुई लड़ाकू विमानों की स्काइज़ क्षमता और दूसरी तरफ टू-फ़्ट वॉर (दो मोर्चों पर युद्ध) की वास्तविक होती आशंका के बीच अपनी सैन्य संप्रभुता को कैसे अक्षुण्ण बनाए रखे। यह संपादकीय इस रक्षा सौदे के गहरे रणनीतिक निहितार्थों, भारत की वर्तमान वायुसैनिक कमजोरियाँ और इस चक्रव्यूह से बाहर निकलने के व्यावहारिक रास्तों का एक विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने पारंपरिक सैन्य मोर्चे पर हमेशा

पाकिस्तान के खिलाफ एक गुणात्मक और संख्यात्मक बढ़त बनाए रखी है। 1965, 1971 और 1999 के युद्धों में भारतीय वायुसेना की तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठता ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। यहाँ तक कि हाल के वर्षों में फ़ॉस से मिले 4.5 पीढ़ी के राफ़ेल विमानों ने पाकिस्तान की वायुसेना के अमेरिकी एफ-16 विमानों पर भारत को एक स्पष्ट मनोवैज्ञानिक और तकनीकी बढ़त दे दी थी। लेकिन चीन द्वारा पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के फ़ाइटर जेट सौंपने की यह नई डील इस स्थापित संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ने की क्षमता रखती है। पांचवीं पीढ़ी के विमानों की सबसे बड़ी खासियत उनका स्टेल्थ होना होता है, यानी वे दुश्मन के रडार की नजरों से बचकर बेहद करीब तक हमला करने में सक्षम होते हैं। यदि पाकिस्तान इन विमानों को अपनी वायुसेना में सफलतापूर्वक शामिल और संचालित कर लेता है, तो भारत की मौजूदा हवाई रक्षा प्रणालियों और राफ़ेल जैसे 4.5 पीढ़ी के विमानों की प्रभावशीलता पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। चीन इस सौदे के जरिए न केवल भारत को अपने पड़ोस में उलझाए रखना चाहता है, बल्कि वह भारतीय उपमहाद्वीप में अमेरिकी प्रभाव और भारत की बढ़ती वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को भी सीमित करना चाहता है। यह सौदा साफ तौर पर दर्शाता है कि पाकिस्तान अब चीनी सेना के



एक प्रॉक्सी के रूप में काम कर रहा है, जिसका एकमात्र उद्देश्य भारत की सैन्य ऊर्जा को निरंतर सोखना है। इस बाहरी खतरे के बीच, भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी आंतरिक रक्षा तैयारियों की धीमी रफ्तार है। भारतीय वायुसेना को किसी भी दोहरे मोर्चे (चीन और पाकिस्तान) की चुनौती से निपटने के लिए कम से कम 42 लड़ाकू विमानों की स्काइज़ की आवश्यकता स्वीकृत है। इसके विपरीत, वर्तमान में यह संख्या खतरनाक रूप से घटकर महज 29 स्काइज़ पर आ गई है। मिग-

21 जैसे पुराने सोवियत कालीन विमानों के चरणबद्ध तरीके से बाहर होने और नए विमानों के शामिल होने की बेहद धीमी दर ने इस खाई को और चौड़ा कर दिया है। इस संकट को और गहरा करने में हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादन की कछुआ चल ने बड़ी भूमिका निभाई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित किए जा रहे तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में लगातार हो रही देरी ने वायुसेना के आधुनिकीकरण के पहियों को जाम कर दिया है।

स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भर भारत का नारा अपनी जगह बेहद सराहनीय और आवश्यक है, लेकिन जब वास्तविक युद्ध की रणनीतियों की बात आती है, तो नारों से ज्यादा जमीन पर निर्णयों की उपलब्धता मायने रखती है। भारत अपने लड़ाकू विमानों की संख्या को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है, जबकि उसके दोनों पड़ोसी देश अपनी फ्लीट को न केवल आधुनिक बना रहे हैं, बल्कि उनकी संख्या में भी भारी इजाफा कर रहे हैं। वायुसेना प्रमुख के अनुसार, यदि भारत को अपनी खोई हुई हवाई श्रेष्ठता वापस पानी है, तो उसे हर साल अपनी फ्लीट में कम से कम 36 से 40 नए फ़ाइटर जेट शामिल करने होंगे, जो कि वर्तमान उत्पादन क्षमता को देखते हुए एक बेहद कठिन लक्ष्य प्रतीत होता है। हालांकि स्थिति चिंताजनक है, लेकिन सैन्य विशेषज्ञों का मानना ​​है कि भारत को तुरंत किसी घबराहट या पैनिक में आने की आवश्यकता नहीं है। किसी भी लड़ाकू विमान की क्षमता महज उसकी कागजी विशिष्टताओं या उसकी पीढ़ी से तय नहीं होती। युद्ध में सबसे महत्वपूर्ण होता है सिस्टम इंटीग्रेशन। पाकिस्तान को चीन से विमान तो मिल सकते हैं, लेकिन उन्हें अपने मौजूदा पश्चिमी और चीनी रडार नेटवर्क, मिसाइल प्रणालियों और कमांड-पंड-कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ पूरी तरह से एकीकृत करने में वर्षों का समय लगेगा। चीनी तकनीक की

विश्वसनीयता और वास्तविक युद्ध स्थितियों में उसका प्रदर्शन हमेशा से संदेह के घेरे में रहा है। इसके अतिरिक्त, वायु रक्षा केवल लड़ाकू विमानों के भरोसे नहीं लड़ी जाती। भारत ने हाल के वर्षों में अपनी जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों को बेहद मजबूत किया है। रूस से मिली एस-400 ट्रिप्ल वायु रक्षा प्रणाली और भारत के अपने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन तथा भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (द्वारा विकसित किए जा रहे आधुनिक एंटी-स्टेल्थ रडार नेटवर्क इस खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं। एंटी-स्टेल्थ रडार कम तरंग दैर्घ्य का उपयोग करके स्टेल्थ विमानों की अदृश्यता को बेअसर करने की क्षमता रखते हैं। इसलिए, चीनी विमानों का पाकिस्तान की फ्लीट में आना भारत के लिए चुनौती जरूर है, लेकिन यह कोई ऐसी अभेद्य दीवार नहीं है जिसे तोड़ना जा सके। इस सामरिक गतिरोध को तोड़ने के लिए भारत को एक बहुआयामी और त्वरित रणनीति पर काम करना होगा। पहली प्राथमिकता तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने की होनी चाहिए। भारत पिछले कई वर्षों से 114 मंटी-रोल फ़ाइटर एयरक्राफ्ट की खरीद प्रक्रिया को अटकाए हुए है। नोकरशाही की लालफीताशाही और बजटीय सीमाओं के कारण इस सौदे पर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है।



एक नज़र

सीजेपी प्रोटेस्ट पर लटकी तलवार .कानूनी पगड़े में फसेगा 10 अक्टूबर का प्रदर्शन दिल्ली पुलिस ने दी ये चेतावनी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में इन दिनों प्रदर्शनों का दौर जारी है। SIR के खिलाफ और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर एक तरफ विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के सांसद और नेता प्रदर्शन कर रहे हैं तो वहीं कॉॅंकोरोच जनता पार्टी ने भी दिल्ली में प्रदर्शन का ऐलान कर दिया है। कॉॅंकोरोच जनता पार्टी ने 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक बार फिर प्रदर्शन का ऐलान किया है। वहीं इस प्रदर्शन से पहले दिल्ली पुलिस का एक बड़ा बायान सामने आया है, जिसमें उन्होंने अधिकारी से पहले से अनुमति लेना जरूरी है। ऐसी अनुमति के लिए आवेदन, प्रस्तावित कार्यक्रम से कम से कम 10 दिन पहले डिटी कमिश्नर ऑफ पुलिस, नई दिल्ली जिला को जमा करने होंगे। अपने बयान में दिल्ली पुलिस ने आगे कहा कि, सेंट्रल रिस्टा इलाके में विरोध-इसे प्रदर्शन, प्रदर्शन और धरने पर रोक है। इस इलाके में इंडिया गेट, सी-हेक्सागन, मान सिंह रोड, जनपथ, राजपथ और आस-पास के लॉन शामिल हैं। वहीं दिल्ली पुलिस के 2022 के स्टैंडिंग ऑर्डर में शामिल होने वाले लोगों की संभावित संख्या के आधार पर तय जगहों के बारे में भी बताया गया है- अपने बयान के अंत में दिल्ली पुलिस ने कहा कि, सभी संबंधित लोगों को इन निर्देशों का पालन करना होगा। इनका उल्लंघन करने पर कानून के अनुसार कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। बता दें कि, इससे पहले कॉॅंकोरोच जनता पार्टी के सीरव दास, दिल्ली पुलिस से मिलने पहुंचे थे। इस मुलाकात के बाद सीरव दास ने कहा कि, मैं पालियाँवट स्ट्रीट थाने जाकर एक औपचारिक लेटर देकर आया हूँ, जिसमें पुलिस को जानकारी दी गई कि सीजेपी के लोग 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए जुटेंगे। उन्होंने कहा, हमने उनसे कानून-व्यवस्था बनाए रखने, हमारा सहयोग करने और ट्रैफिक की जरूरी व्यवस्था करने का अनुरोध किया है। हमने इसकी लिखित सूचना दे दी है। इससे पहले सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने भी कहा था कि अगर ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते हैं तो सीजेपी 10 अक्टूबर को प्रोटेस्ट करेगी। कॉॅंकोरोच जनता पार्टी ने देश के युवाओं से इस प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है।

दिल्ली के मौसम में दिखेगा उलटफेर; इस दिन हल्की बारिश के आसार, पूरे हफ्ते का हाल

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 2.7 डिग्री अधिक है जबकि अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। वहीं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को दिल्ली में पवयूआई 134 अंक रिकॉर्ड किया गया। इस मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। इस बीच मौसम विभाग ने एक दिन दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में गरज चमक के साथ बूंदबांदी या हल्की बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग की मानें तो मौजूदा वक्त में कई वेदर सिस्टम देखे जा रहे हैं। उत्तराखंड और उससे सटे हिमाचल प्रदेश के ऊपर हवा के ऊपरी स्तर पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। एक ट्रफ उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश से उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा होते हुए उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी तक फैला हुई है। यही नहीं दक्षिणी हरियाणा और आसपास के इलाकों में हवा के ऊपरी स्तर पर एक कमजोर साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी है। IMD ने 7 और 8 अक्टूबर को दिल्ली-हृष्टक्रम में छिटपुट हल्के बादलों की आवाजाही का अनुमान जताया है। दिल्ली में 8 अक्टूबर को अधिकतम तापमान के 33 से 35 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किए जाने की संभावना जताई है। इसके बाद 9 अक्टूबर को मौसम करवट ले सकता है। मौसम विभाग ने 9 अक्टूबर को दिल्ली-NCR में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदबांदी की संभावना जताई है। 9 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर में बूंदबांदी से उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी। हवाओं के रुख में तेजी देखने को मिल सकती है। 9 और 10 अक्टूबर को दिल्ली एनसीआर में हवा की स्पीड दिन में 20 से 25 किलोमीटर प्रति घंटा तक देखी जा सकती है। हालांकि इसका असर ज्यादा दिन बरकरार नहीं रहने पाएगा। गौर करने वाली बात यह भी कि मौसमी बदलाव की वजह से इस हफ्ते पलूशन में भी ज्यादा बढ़ोतरी के आसार नहीं हैं।

जनता के लिए खुलते ही मुसीबत बना दिल्ली का ये नया फ्लाईओवर, ट्रैफिक पुलिस ने की डिजाइन में बदलाव की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली के बारापुल्ल फेज-III फ्लाईओवर का उद्घाटन हाल ही में 29 सितंबर को हुआ है और इसके उद्घाटन के दिन से ही यहां पर ट्रैफिक की भारी समस्या हो रही है। यह रास्ता दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में मयूर विहार को सराय काले खां और अंततः एम्स (AIIMS) से जोड़ता है। इससे पूर्वी दिल्ी और मध्य दिल्ली के बीच यात्रा का समय घटकर लगभग 20 मिनट होने की उम्मीद थी। हालांकि, यहां लगने वाले लंबे जाम के चलते लोगों ने यात्रा में एक घंटे से ज्यादा समय लगने की शिकायत की है। जिसके बाद यातायात पुलिस ने PWD (लोक निर्माण) विभाग से इस फ्लाईओवर का एक मर्जर पॉइंट (जहां रास्ते मिलते हैं) का डिजाइन तुरंत बदलने को कहा है। उसका कहना है कि मौजूदा डिजाइन की वजह से इस व्यस्त सड़क पर घंटों तक ट्रैफिक जाम लगा रहता है। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने बताया कि यह समस्या सनडायल पार्क के पास हो रही है, जहां नया हिस्सा मौजूदा बारापुल्ल कॉरिडोर से जुड़ता है। इस दौरान सनडायल पार्क मर्जर और सराय काले खां के पास भारी जाम देखने में आ रहा है। लोगों को उम्मीद थी कि फेज-III फ्लाईओवर के बनने से साउथ दिल्ली, मयूर विहार और सराय काले खां जैसे इलाकों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी और मौजूदा मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। लेकिन, इसके खुलने के तुरंत बाद ट्रैफिक की स्थिति खराब हो गई। यहां तक कि हालात इतने खराब हैं कि सफ्दरजंग अस्पताल और सराय



काले खां के बीच लगभग 8 किलोमीटर के रास्ते को तय करने में यात्रियों को एक घंटे से ज्यादा का समय लग रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां पर ट्रैफिक जाम इसलिए लग रहा है क्योंकि नए

कॉरिडोर, मयूर विहार और DND की तरफ से आने वाली 8-9 लेन का ट्रैफिक अचानक पुराने बारापुल्ल फ्लाईओवर की जानकारी के अनुसार यहां पर ट्रैफिक सफ्दरजंग अस्पताल और सराय काले

धरना-प्रदर्शन के दौरान पुलिस के लिए खास कैमरा अनिवार्य करने की मांग, हाई कोर्ट ने केंद्र के पाले में डाली गेंद

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रदर्शन और भीड़ नियंत्रण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के लिए बॉडी-वॉर्न (कपड़ों पर पहने जाने वाला) कैमरा अनिवार्य करने संबंधी जनहित याचिका पर केंद्र सरकार को निर्णय लेने को कहा है। इस याचिका में बॉडी वॉर्न कैमरा अनिवार्य करने और लगातार चालू रखने संबंधी मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) बनाने की मांग की गई थी। कोर्ट ने याचिका पर सीधे सुनवाई करने से इनकार कर दिया और केंद्र सरकार को इस बारे में छह महीने के अंदर निर्णय लेने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह सरकार को एक प्रतिवेदन (रिप्रेजेंटेशन) सौंपे, और सरकार छह महीने के भीतर इस पर फैसला लेकर याचिकाकर्ता को सूचित करे। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासीदेव साहू और जस्टिस अरुण भारद्वाज की पीठ ने यह आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में सरकार को कोई निर्देश नहीं दे सकती, साथ ही यह भी कहा कि ऐसा नहीं है कि इस मुद्दे पर स्पष्ट कानून नहीं है। यह याचिका अधिवक्ता चाहत राघव ने दायर की थी। इसमें पुलिस द्वारा भीड़ नियंत्रण और प्रदर्शन प्रबंधन के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले बॉडी-वॉर्न कैमरों की रिकॉर्डिंग को सुरक्षित रखने, उसकी विश्वसनीयता, रिकॉर्ड सुरक्षित रखने की अवधि और अदालत में साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल करने के लिए व्यापक व्यवस्था बनाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता अखिल सिब्बल ने कहा कि पुलिस बॉडी-वॉर्न कैमरों का इस्तेमाल करती है, लेकिन यह व्यवस्थित और एक समान प्रक्रिया के तहत नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रश्न के दौरान अक्सर पुलिस पर अत्यधिक बल प्रयोग करने के आरोप लगते हैं, वहीं प्रश्नकारियों पर पथराव या हिंसा के आरोप भी सामने आते हैं। ऐसी स्थिति में घटनाओं की रिकॉर्डिंग के लिए किसी तय व्यवस्था का होना जरूरी है, ताकि जवाबदेही केवल राहगीरों या निजी लोगों द्वारा बनाए गए वीडियो पर निर्भर न रहे।

गुरुग्राम-अलवर 4 लेन हाईवे का निर्माण फाइलों में अटका, सरकार से हरी झंडी के बाद देरी क्यों

नई दिल्ली। गुरुग्राम-अलवर नेशनल हाईवे को चार लेन बनाने के लिए सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। निर्माण कंपनी का चयन करने के लिए पिछले साल इसका टेंडर भी लगाया जा चुका है। पहले चरण में हाईवे को चार लेन बनाया जाएगा, उसके बाद नूंह से मालव और गांव भादस में प्रस्तावित बाईपास का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 440 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इनमें से 310 करोड़ रुपये हाईवे को चार लेन बनाने पर खर्च किए जाएंगे, बाकी 130 करोड़ रुपये बाईपास के निर्माण कार्य पर खर्च किए जाएंगे। नूंह से अलवर सीमा तक करीब 48 किलोमीटर तक उपरोक्त हाईवे के साथ दोनों तरफ करीब 50 गांव लगते हैं। कई जगह गांव के नौ फ्लाइओवर (ह्रीकल अंडर पास) बनाए जाएंगे। गुरुग्राम-अलवर नेशनल हाईवे को दोनों तरफ करीब दस हजार पेड़ हैं। इनमें सफेदा के ज्यादा पेड़ हैं।

मेरे खिलाफ 45 एफआईआर, मेरा टारगेट 100 का है दिल्ली में केस दर्ज होने पर राहुल गांधी

नई दिल्ली। दिल्ली के आकाशवाणी भवन परिसर में जबरन घुसकर धरना देने के आरोप में अपने खिलाफ नई एफआईआर दर्ज होने पर राहुल गांधी ने कहा कि मेरे 45 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं और मेरा टारगेट 100 एफआईआर का है। राहुल ने यह भी कहा कि उनके खिलाफ दर्ज हर एफआईआर एक मेडल की तरह है। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है जब विपक्षी दलों के सांसद मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए रवाना हुए हैं। बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में बुधवार को विपक्षी दलों की बैठक हुई। बैठक के बाद दोपहर का भोज हुआ और विपक्षी दलों के सांसदों ने जंतर-मंतर के लिए



कूच कर दिया। राहुल गांधी ने कहा कि निर्वाचन आयोग के खिलाफ प्रदर्शन के लिए विपक्ष के सांसद जंतर पर राहुल गांधी ने कहा कि मेरे मंतर जा रहे हैं क्योंकि कोई और जगह विरोध प्रदर्शन के लिए तय नहीं है। ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा। सनद रहे मंगलवार को भी कुछ ऐसा ही घटनाक्रम सामने आया था। मंगलवार को जनपथ स्थित सागर रत्ना रेस्तरां में भोज आयोजित हुआ था।

दिया गया है। दिल्ली पुलिस के साथ RAF और केंद्रीय सुरक्षा बलों (आईटीबीपी और सीआईएसएफ) की भारी तैनाती की गई है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबलों की तैनाती है। जंतर-मंतर पहुंचने वाले सभी रास्तों पर भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती है। जंतर-मंतर और उसके आसपास के रास्तों (जैसे अशोक रोड और संसद मार्ग) पर मल्टी-लेयर बैरिकेडिंग की गई है। सुरक्षा कारणों से इलाके में धारा 163 लगा दी गई है। प्रदर्शनकारियों को काबू करने के लिए पुलिस की बसें भी मौके पर खड़ी कर दी गई हैं। दिल्ली पुलिस की गाड़ियां और बसें भी स्टैंडबाय पर खड़ी की गई हैं। कुछ जगहों पर बैरिकेडिंग लगाने के साथ ही धारा 163 लागू किए जाने का बेर भी लगाया गया है। वहीं जनपथ पर बड़ी संख्या में बसें खड़ी की गई हैं। इस मार्ग को दोनों तरफ से

भारी डबल-लेयर और वेल्डेड बैरिकेड्स लगाकर वाहनों और आम पैदल यात्रियों के लिए भी पूरी तरह पैक (सील) कर दिया गया है। 2-टॉल्स्टॉय मार्ग जंतर-मंतर की तरफ खुलने वाले टॉल्स्टॉय मार्ग के एंट्री पॉइंट्स पर कड़े बैरिकेड्स लगाए गए हैं ताकि प्रदर्शनकारी आगे न बढ़ सकें। 3- केरल हाउस मार्ग केरल हाउस की तरफ से जंतर-मंतर में प्रवेश करने वाले रास्तों को पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) ने पूरी तरह ब्लॉक कर दिया है। टॉलस्टॉय मार्ग को दो तरफ से जनपथ मेट्रो स्टेशन से लेकर संसद मार्ग (मुख्य प्रदर्शनस्थल के सामने) तक को पूरी तरह से सील कर दिया गया है। मुख्य प्रदर्शनस्थल तक भी प्रवेश की अनुमति नहीं है। बताया जाता है कि धरना स्थल पर मौजूद प्रदर्शनकारियों को निर्वाचन सदन (चुनाव आयोग) की तरफ बढ़ने से रोकने

खां के बीच 8 किलोमीटर के रास्ते पर चलने वाले लोगों को 2 से 4 किलोमीटर तक के ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा है, जिससे यात्रा में एक घंटे से ज्यादा की देरी हो रही है। ऐसे में बिगड़े हालात को देखते हुए यातायात पुलिस ने PWD से कहा है कि वे केवल नियम लागू करने और ट्रैफिक कंट्रोल करने के बजाय, गाड़ियों के मिलने वाली जगह (मर्जर पॉइंट) का डिजाइन बदलें। उनका कहना है कि सनडायल मर्जर पर इंजीनियरिंग में सुधार की जरूरत है, ताकि नए फ्लाईओवर की बढ़ी हुई क्षमता से ट्रैफिक आसानी से चल सकें, न कि जाम उस जगह पर शिफ्ट हो जाए जहां नया और मौजूदा कॉरिडोर आपस में मिलते हैं।

गुरुग्राम में बिलासपुर फ्लाईओवर की ओपनिंग को लेकर बड़ा अपडेट, जानें अब कितना बचा काम

गुरुग्राम। गुरुग्राम में दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित बिलासपुर फ्लाईओवर को अगले 10 दिन के अंदर यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इससे वाहन चालकों को यहां से आवागमन में काफी सहूलियत होगी। पहले चरण में दिल्ली से जयपुर की तरफ निर्माणाधीन प्लाईओवर को खोला जाएगा। जयपुर से दिल्ली की तरफ प्लाईओवर को अगले महीने में यातायात के लिए खोला जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) की तरफ से गुरुग्राम के बिलासपुर चौक पर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य किया जा रहा है, जो करीब 90 प्रतिशत बनकर तैयार हो चुका है। दिल्ली से जयपुर की तरफ

फ्लाईओवर करीब 97 प्रतिशत बनकर तैयार हो चुका है। अगले 10 दिन में फ्लाईओवर के इस हिस्से को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। तीन लेन के फ्लाईओवर पर फिलहाल दिल्ली से जयपुर का आवागमन शुरू किया जाएगा। जयपुर से दिल्ली फ्लाईओवर बनने के बाद दोनों फ्लाईओवर पर तीन-तीन लेन से वाहन निकल सकेंगे। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर एनएचआई की तरफ से पांच चौराहों पर फ्लाईओवर तैयार हो रहे हैं। इसमें मानेसर, बिलासपुर, राठीवास, साल्हावास और धारुहेड़ा शामिल हैं। राठीवास में फ्लाईओवर बनकर तैयार हो चुका है, जिसे यातायात के लिए खोल दिया है। हाईवे पर मानेसर में भी

के लिए दिल्ली पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स और सीआईएसएफ की टुकड़ियों ने लोहे और वेल्डेड बैरिकेड्स की मदद से मजबूत चक्रव्यूह तैयार किया था। जैसे ही प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा लांघने की कोशिश की, पुलिस के साथ उनकी हिंसक और तीखी झड़प शुरू हो गई। वहीं राहुल गांधी की बस जैसे ही जंतर-मंतर के गोल चक्कर के पास पहुंची, वहां दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर एक्शन शुरू कर दिया। राहुल गांधी की बस के आगे नारेबाजी कर रहे तमाम कार्यकर्ताओं को पुलिस ने एक-एक करके हिरासत में लेना शुरू कर दिया। मौके पर कई बसें लगाई गई थीं। बताया जाता है कि जैसे ही राहुल की बस जंतर-मंतर के पास पहुंची, पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेना शुरू कर दिया।

ऐसे गुड़ों और लफंगों वाला काम मत करिए, सरकार में हो आप; सौरव दास ने किस बात के लिए केंद्र को दी चेतावनी

उत्तर पश्चिम रेलवे		ई-ऑक्शन आमंत्रित करने की सूचना
No: Comm/E-auction/2026/36		Date: 06.10.2026
उक्त के सन्दर्भ में विभिन्न गाडियों में एसएलआर लीजिंग एवं विज्ञापन (विनाइल रैपिंग) एवं विभिन्न स्टेशनों पर MSS-Misc Static Services / विज्ञापन (OOH/RDN) / पे एंड यूज / पार्किंग/ATM के ठेके हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित की गई है। कैंडलाइन IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किए जा चुके हैं।		
1	कार्य का नाम	(1) जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं विभिन्न गाडियों पर विज्ञापन (OOH/digital, RDN & Vinyl) के ठेके हेतु ई-ऑक्शन (2) जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर पे एंड यूज के ठेके हेतु ई-ऑक्शन (3) जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर MSS-Misc Static Services के ठेके हेतु आदि का ई-ऑक्शन (4) जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर पार्किंग के ठेके हेतु ई-ऑक्शन (5) जोधपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ATM के ठेके हेतु ई-ऑक्शन (6) जोधपुर मंडल की विभिन्न गाडियों में एसएलआर लीजिंग के ठेके हेतु आदि का ई-ऑक्शन
2	कार्य की अवधि	(1) विज्ञापन (OOH/RDN): 3 वर्ष (2) पार्किंग: 3 वर्ष (3) विज्ञापन (Vinyl): 3 वर्ष (4) लीजिंग: 03 वर्ष (5) Pay and Use: 03 वर्ष (6) ATM: 03 वर्ष (7) MSS-Misc Static Services: 3 वर्ष
3	लॉट के ई-आव्हन प्रारंश की तिथि व समय	(1) Advertisement (Vinyl): (1) Vinyl-JU-25-10 दिनांक 19.10.26 को 11:00 बजे से (2) SDG-VB12462-61 दिनांक 22.10.26 को 11:00 बजे से (2) Advertisement (OOH): (1) OOH-JU-26-26 दिनांक 16.10.26 को 12:00 बजे से (3) Advertisement (RDN): (1) RDN-ND-BME-23 दिनांक 21.10.26 को 11:00 बजे से (4) Parcel leasing: (1) Parcel-JU-146 दिनांक 16.10.26 को 13:00 बजे से (5) MSS - Misc Static Services: (1) Lockers-JU-26-9 दिनांक 16.10.26 को 14:00 बजे से (2) MSS-JU-THDPK-6 दिनांक 19.10.26 को 14:00 बजे से (3) GOTN-Kiosks-05 दिनांक 21.10.26 को 14:00 बजे से (4) RCR-BLT-26-05 दिनांक 22.10.26 को 12:00 बजे से (5) MSS-FJT-JOR-26-6 दिनांक 23.10.26 को 11:00 बजे से (6) Pay and Use: (1) WR-DSO-26-21 दिनांक 19.10.26 को 13:00 बजे से (2) PnU-DSO-26-21 दिनांक 21.10.26 को 13:00 बजे से (7) ATM: (1) ATM-DNA-26-05 दिनांक 19.10.26 को 15:00 बजे से (8) Parking: (1) Park-JU-26-26 दिनांक 16.10.26 को 11:00 बजे से
4	वेबसाइट जहाँ से लॉट वाइज ई-आव्हन के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है: www.ireps.gov.in	

1438-AM/26

हमें  NWR Railways पर फॉलो करें



तीन भाइयों ने पिता के साथ मिलकर सगे भाई को मार डाला, मकान बंटवारे को लेकर खूनी खेल

उन्नाव। यूपी के उन्नाव से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह लंबे समय से मकान बंटवारे के विवाद में 3 भाई, पिता और बहनोई ने धारदार हथियार से हमला सगे भाई की हत्या कर दी। मौत को लेकर पत्नी बेहाल रोती रही। पत्नी ने पुलिस में में तहरीर देकर बहनोई व 3 देवर और ससुर पर हत्या का केस दर्ज कराया है। पुलिस ने जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गंजमुराबाद कस्बा के मोचियाना मोहल्ला के रहने वाले 35 वर्षीय दिलशाद उर्फ पप्पू लोहर चलाकर परिवार का भरण पोषण करता था। दिलशाद का मकान बंटवारे को लेकर करीब दो साल से अधिक समय से पिता और भाइयों के साथ विवाद चल रहा था। विवाद कई बार पुलिस की चौखट तक पहुंचा और लोगों के बीच समझौता का भी प्रयास हुआ। लेकिन पारिवारिक लड़ाई समाप्त नहीं हो सकी। लंबे समय से चली आ रही पारिवारिक तनावन की बीच बुधवार सुबह करीब 9 बजे घर के अंदर ही दिलशाद का अन्य भाइयों और पिता के साथ विवाद शुरू हो गया। मामला इतना बढ़ा कि 3 भाइयों और पिता ने एक रास होकर चाकू-कुल्हाड़ी समेत अन्य हथियार से दिलशाद के शरीर पर ताबड़तोड़ प्रहार कर दिए। हमले के बाद खून से लथपथ अवस्था में वह

प्रेमिका से तंग आकर युवक ने की खुदकुशी, पत्नी से तलाक लेने का बना रही थी दबाव

कानपुर। यूपी के कानपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां प्रेम संबन्ध के चलते भाई को तलाक देने का दबाव और रुपयों की मांग से परेशान ट्रांसपोर्ट में चालक ने जान दे दी। परिजनों के मुताबिक, कथित प्रेमिका की धमकियों से युवक मानसिक तनाव में था। उधर, सुचना मिलने पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। ये घटना जूही के नयापुरवा का है। यहां रहने वाला 35 वर्षीय अंकित पाल उर्फ जैकी ट्रांसपोर्ट की गाड़ी चलाता था। उसकी शादी करीब 12 साल पहले आशा से हुई थी। परिवार में दो बेटे आरव और जैद, पिता अजय पाल, मां प्रेमा और छोटा भाई ऋषभ हैं। परिजनों के मुताबिक, सोमवार रात करीब साढ़े दस बजे अंकित काम से घर लौटा और कुछ देर परिवार के साथ बैठा। मोबाइल पर फोन आने के बाद वह ऊपरी मंजिल स्थित कमरे में चला गया। देर रात चुन्नीगंज स्थित एक अस्पताल में नाइट ड्यूटी कर रही आशा ने अंकित को फोन किया, लेकिन कल नहीं उठी। इस पर उसने बेटे आरव को कमरे में जाकर देखने के लिए कहा। आरव ने खिड़की से देखा तो अंकित कमरे में बेसुध पड़ा था। इस मामले में जूही थाना प्रभारी केकें पटेल ने बताया कि प्रेम प्रसंग की बात सामने आई है। साधना गुप्ता उर्फ अनु पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। आशा ने तहरीर में बताया कि करीब 15-20 दिन पहले उसे पति से एक शदीशुदा महिला साधना गुप्ता उर्फ अनु से प्रेम संबंध होने की जानकारी हुई थी। आरोप है कि साधना लगातार अंकित पर पत्नी को तलाक देने का दबाव बना रही थी और रुपयों की मांग कर रही थी। मांग पूरी न होने पर अंकित और उसके परिवार को जेल भिजवाने की धमकी देने का भी आरोप है।

प्रेमानंद महाराज की किडनी की सरकारी जांच चाहते हैं आशुतोष ब्रह्मचारी, डीएम को लिखी चिट्ठी

मथुरा। प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक दुलारी शरण के 25 सितंबर को आत्महत्या करने के बाद से विवादों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। तबसे कई परिवार वृंदावन आकर अपने बच्चों के लापता होने की शिकायत कर रहे हैं। इन विवादों के बीच अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और माता शाकुम्भरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज भी सामने आ गए हैं। उन्होंने डीएम को एक चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष तहकीकात और प्रेमानंद महाराज की किडनी की सरकारी चिकित्सकीय जांच कराने की मांग की है। आशुतोष ब्रह्मचारी का दावा है कि उन्होंने 3 जुलाई 2024 को ही तत्कालीन जिलाधिकारी को पत्र भेजकर प्रेमानंद महाराज की दोनों किडनियों की सरकारी अस्पताल में

हमारे सम्मान का ख्याल करिए, हम आपका करेंगे; सीट बढ़वाने पर अड़ गई कांग्रेस; अखिलेश यादव का मैसेज भी बेअसर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। अब कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को मैसेज दे दिया है कि कांग्रेस सम सीटों पर कोई समझौता नहीं करेगी। इमरान मसूद ने बुधवार को एक बयान में कहा कि देश में राहुल गांधी की आंधी आई हुई है और ऐसे में कांग्रेस समझौता कर सेल्फ गोल नहीं मारेगी। उन्होंने यह भी कहा है कि आज की कांग्रेस 10 साल पुरानी कांग्रेस नहीं है। बता दें कि सहानपुर से लोकसभा सांसद इमरान मसूद को हाल ही में उत्तर

ई-टेण्डर निविदा सूचना EPC मोड के आधार पर सिंगल स्टेज टू पैकेट सिस्टम उप मुख्य विद्युत अभियान / परिचोजना, उ. प. रेलवे, जयपुर द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी और से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली ई-निविदा की जाती है:- निविदाकार अपना मूल /परिवर्तित प्रस्ताव ई. निविदा बंद होने की तारीख व समय से पूर्व ऑन लाईन भर दें। क्र. सं. 1. ई-टेण्डर नोटिस संख्या: बोली/पैकेज नंबर EL-PROJ-PSI- All-EPC-01; 2. कार्य का नाम व लोकेशन: नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के अजमेर डिवीजन के मदार (एमडी) भिनवलिया (बीडब्ल्यू) सेक्शन में 2x25 जट ट्रैक्शन सिस्टम (स्कॉट कनेक्टेट ट्रांसफॉर्मर) के तहत 132/55 KV ट्रैक्शन सबस्टेशन, सेक्शनिंग पोस्ट (SPs) और सब-सेक्शनिंग पोस्ट (SSPs) का डिजाइन, सप्लाय, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग। 3. अनुमानित लागत: रुपये 260,40,64,851.18 /-; 4. धरोहर राशि: रुपये 5,20,81,300.00 /-; 5. कार्य पूरा होने की अवधि: 720 दिन; 6. ई-टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समय: 08.12.2026(13:00 hrs.); 7. वेबसाइट का विवरण: www.ireps.gov.in. नोट: कोई भी मैनुवुल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा। 1443-AM/26 एवं /NWR Railways पर फॉलो करें

उत्तर रेलवे				
निविदा सूचना				
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक / निर्माण / कस्पीरी गेट, दिल्ली-110006, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी और से निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-खरीद प्रणाली के माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।				
क्र.संख्या	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	40265458	(सप्लाई)-RDSO स्पेसिफिकेशन नंबर RDSO/ 2013/EMS/SPEC/00116 (Rev-2)-2025 या लेटेस्ट के अनुसार, 15 यात्रियों (1020 kg) की क्षमता, 1.0 m/s की स्पीड, सेंटर ओपनिंग स्वाइडिंग डबल ओर टाइप, 7 स्टीप और 7 ओपनिंग वाले हैंड-ब्रेड्स/लिफ्ट का डिजाइन, मेन्चुअल/इलेक्ट्रिक, सप्लाय, इन्स्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग। ऊपर बताई गई लिफ्ट के लिए 2 साल की वारंटी अवधि के बाद 10 साल का कॉमिश्नरियल एग्जल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट (CAMC), जिसमें सभी स्पेयर पार्ट्स और मटेरियल शामिल होंगे।	02 Nos.	20.10.26
नोट:— 1. विस्तृत जानकारी IREPS की वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मेनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। सं.: डिप्टी.सी.एम.एच./ सी./ एन.आर./ 40265458 दिनांक: 07.10.26 3481/2026 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ				

उत्तर रेलवे		
ई-नीलामी सूचना		
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा डीलक्स पे एंड यूज़ शौचालय MOT के आधार पर अनुबंध लॉट्स/साइट्स के आउटन हेतु ई-नीलामी, IREPS पोर्टल (https://ireps.gov.in/) पर ई-बोली "जैसा है जहां है" के आधार पर निम्नलिखित प्रकार से आमंत्रित की जाती है—		
ई-कैटलॉग संख्या (E-Catalogue No.)	ई-नीलामी की तिथि एवं समय	रेलवे स्टेशन/स्थान/साइट
PaynUse-11-2026	दिनांक 23.10.2026 को 12:00 बजे	हजरत निजामुद्दीन (NZM) 02 साईट, पानीपत (PNP) 01 साईट, सोनीपत (SNP) 01 साईट, दिल्ली (DLI) 01 साईट, नरवाना (NRW) 01 साईट, मानसा (MSZ)—01 साईट, मोदी नगर (MDNR) 01 साईट, दिल्ली सराय रोहिल्ला (DEE) 01 साईट, सब्जी मंडी (SZM) 01 साईट 02 ऊपर विहार (ANVT) 01 साइट कुल – 11 साइट्स / स्थल।
वेबसाईट विवरण जहां ई-नीलामी दस्तावेज का पूरा विवरण देखा जा सकता है		https://ireps.gov.in/
आईआरईपीएस के ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से आयोजित ई नीलामी में भाग लेने के इच्छुक सभी ठेकेदारों को अपनी बोलियां जमा करने से पहले निम्नलिखित अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए:—ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए आईआरईपीएस पर पंजीकरण – ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए सक्रिय आईआरईपीएस उपयोगकर्ता खाता; एकमुस्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान; भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता; आईआरईपीएस खाते के साथ एन बी आई बैंक खाते का एकीकरण; फंड का लियन मार्किंग; कारोबार का अद्यतन विवरण; जिन ठेकेदारों के पास आईआरईपीएस के किसी भी मॉड्यूल के लिए आईआरईपीएस खाता नहीं है, वे आईआरईपीएस होम पेज पर नए विक्रेताओं / ठेकेदारों (ई-निविदा / ई-नीलामी लीजिंग) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण के लिए अपना ऑन लाइन अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं। ई-अंक्वेशन लीजिंग मॉड्यूल के लिए अब वर्चुअल अकाउंट नंबर (वीएएन) नामक एक नया तंत्र शुरू किया गया है, जिसका उपयोग बोलीदाताओं द्वारा लियन मार्किंग तंत्र के विकल्प के रूप में किया जा सकता है। बोली लगाने हेतु प्रवेश करने से पहले किसी भी समय लियन मार्किंग मैकेनिज्म (यदि सक्रिय हो) और वेन मैकेनिज्म के बीच स्विच करने के लिए स्वतंत्र हैं।। VAN तंत्र के लिए बोली लगाने वाले का भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता होना आवश्यक नहीं है। उपयोगकर्ता किसी भी बैंक में अपने किसी भी मौजूदा बैंक खाते से अपने VAN खाते में धन स्थानांतरित करने के लिए स्वतंत्र हैं, जो उन्हें IREPS ई-नीलामी में भाग लेने में सक्षम बनाता है।		
सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी	वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / पीएस, डी.आर.एम. कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055 Email: sanitationcell@gmail.com Tel: 011-23743084	
संख्या: 7PUB/TN/Pay&UseToilets/Auction/2022 दिनांक: 07.10.2026		3491/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ		

चिकित्सकीय जांच कराने और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की थी। उधर, विराट कोहली के प्रवक्ता ने दिनेश फलहारी के उस बयान को झूठा और निराधार बताया है, जिसमें आरोप लगाया था कि क्रिकेटर विराट कोहली पांच करोड़ रुपये लेकर प्रेमानंद महाराज के आश्रम में आए थे। विराट कोहली के प्रवक्ता द्वारा मंगलवार को जारी किया बयान में कहा है कि यह दावा पूरी तरह झूठा, निराधार और तथ्यों के विपरीत है। कहा है कि विराट कोहली प्रेमानंद महाराज के पास केवल अपनी गहरी आस्था और श्रद्धा के कारण जाते हैं। कोहली के प्रवक्ता ने मीडिया से आग्रह किया है कि ऐसे बयानों को प्रकाशित या प्रचारित करने से पहले पूरी सावधानी बरतें, तथ्यों का सत्यापन करें और जिम्मेदारी के साथ

रेलगाड़ी संख्या 04090/04092 नई दिल्ली-दानापुर-नई दिल्ली वाया दिल्ली जं. आरक्षित त्र्योहार विशेष सुपरफास्ट की परिवर्तित आवृत्ति एवं चलने की अवधि में विस्तार

रेलगाड़ी सं. 07651 आगमन प्रस्थान रेलगाड़ी सं. 07652 आगमन प्रस्थान --- 23:35 जालना 09:50 --- 03:15 03:25 वाराणसी जं. 03:10 09:35 --- छपरा जं. --- 21:00

रेलगाड़ी सं. 04064/04063 दिल्ली जं.-गया जं.-दिल्ली जं. आरक्षित त्र्योहार विशेष एक्सप्रेस (सप्ताह में 6 दिन)

रेलगाड़ी सं. 04064 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04063 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04063 आगमन
---	11:00	दिल्ली जं.	08:00
07:15	---	गया जं.	09:15

चलने के दिन: 04064 दिल्ली जं. से दिनांक 11.10.2026 से 30.11.2026 तक (शनिवार छोड़कर) और 04063 गया जं. से दिनांक 12.10.2026 से 01.12.2026 तक (रविवार छोड़कर)

04088/04087 नई दिल्ली-पटना जं.-नई दिल्ली आरक्षित त्र्योहार विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन)	104 फेरे
रेलगाड़ी सं. 04088 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04087 प्रस्थान
---	15:50
12:45	---
---	पटना जं.
---	15:10

चलने के दिन: 04088 नई दिल्ली से दिनांक 10.10.2026 से 30.11.2026 तक (प्रतिदिन) और 04087 पटना जं. से दिनांक 11.10.2026 से 01.12.2026 तक (प्रतिदिन)

01483/01484 खडकी-हजरत निजामुद्दीन-खडकी सुपरफास्ट विशेष (सप्ताह में 2 दिन)	26 फेरे
रेलगाड़ी सं. 01483 आगमन	रेलगाड़ी सं. 01484 प्रस्थान
---	17:30
18:10	---
---	खडकी
---	22:15
---	22:10

चलने के दिन: 01483 खडकी से दिनांक 09.10.2026 से 20.11.2026 तक (प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार) को और 01484 हजरत निजामुद्दीन से दिनांक 10.10.2026 से 21.11.2026 तक (प्रत्येक बुधवार, शनिवार) को।

04221/04222 वाराणसी जं.-बटिण्डा जं.-वाराणसी जं. आरक्षित विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	14 फेरे
रेलगाड़ी सं. 04221 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04222 प्रस्थान
---	20:40
17:00	---
---	बटिण्डा जं.
---	20:50

04634/04633 फिरोजपुर कैंट-पूर्णियाँ जं.-फिरोजपुर कैंट आरक्षित विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	15 फेरे
रेलगाड़ी सं. 04634 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04633 प्रस्थान
---	17:30
03:00	---
---	पूर्णियाँ जं.
---	06:00

चलने के दिन: 04634 फिरोजपुर कैंट से दिनांक 15.10.2026 से 26.11.2026 तक (प्रत्येक बृहस्पतिवार) को और 04633 पूर्णियाँ जं. से दिनांक 10.10.2026 से 28.11.2026 तक (प्रत्येक शनिवार) को।

04634/04633 फिरोजपुर कैंट-पूर्णियाँ जं.-फिरोजपुर कैंट आरक्षित विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	15 फेरे
रेलगाड़ी सं. 04634 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04633 प्रस्थान
---	17:30
03:00	---
---	पूर्णियाँ जं.
---	06:00

रेलगाड़ी संख्या 04090/04092 नई दिल्ली-दानापुर-नई दिल्ली वाया दिल्ली जं. आरक्षित त्र्योहार विशेष सुपरफास्ट की परिवर्तित आवृत्ति एवं चलने की अवधि में विस्तार	वर्तमान आवृत्ति एवं चलने के दिन	परिवर्तित आवृत्ति एवं चलने के दिन	प्रभावी तिथि
04090 नई दिल्ली-दानापुर विशेष	शुक्रवार (साप्ताहिक)	शुक्रवार, बुधवार (सप्ताह में 2 दिन)	07.10.2026
04089 दानापुर-नई दिल्ली विशेष	शनिवार (साप्ताहिक)	शनिवार, बृहस्पतिवार (सप्ताह में 2 दिन)	07.10.2026
वर्तमान दिनांक	विस्तारित दिनांक	अतिरिक्त फेरे	अतिरिक्त फेरों की सं.
नई दिल्ली से	20.11.2026	27.11.2026	14, 21, 28.10.2026 एवं 04, 11, 18, 25, 27.11.2026
दानापुर से	21.11.2026	28.11.2026	15, 22, 29.10.2026 एवं 05, 12, 19, 26, 28.11.2026
नोट: बाकी जानकारी यथावत रहेगी।			

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139	रेलमदद वेबसाइट देखें: www.railmadad.indianrailways.gov.in	रेलमदद ऐप डाउनलोड करें
--------------------------	--	------------------------

रिश्तेदारों, दोस्तों व करीबियों से पूछताछ कर तथ्य जुटाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और डीवीआर से जुड़े सवालों पर एएसपी ने कहा कि वायरल वीडियो के स्रोत की जांच की जा रही है। मामले से जुड़े सभी डिजिटल और भौतिक साक्ष्य वैज्ञानिक और वैधानिक जांच के लिए पुलिस कस्टडी में सुरक्षित हैं। आश्रम परिसर में परिजनों के साथ अभद्रता या मारपीट की सोशल मीडिया पर चल रही खबरों को पुलिस ने निराधार बताया है। एएसपी ने कहा कि ऐसी कोई शिकायत या तथ्य अब तक स्थानीय पुलिस के संज्ञान में नहीं आया है। पुलिस प्रशासन की ओर से सभी पक्षों को समझाकर धैर्य बनाए रखने की अपील की गई है।

रेलगाड़ी सं. 07621/07622 नांदेड-हजरत निजामुद्दीन-नांदेड विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक)

चलने के दिन: 07651 जालना से दिनांक 14.10.2026 से 28.10.2026 तक (प्रत्येक बुधवार) को और 07652 छपरा जं. से दिनांक 09.10.2026 से 30.10.2026 तक (प्रत्येक शुक्रवार) को।

07621/07622 नांदेड-हजरत निजामुद्दीन-नांदेड विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	14 फेरे
रेलगाड़ी सं. 07621 आगमन	रेलगाड़ी सं. 07622 प्रस्थान
---	08:45
14:00	---
---	नांदेड
---	हजरत निजामुद्दीन
---	21:40

चलने के दिन: 07621 नांदेड से दिनांक 17.10.2026 से 28.11.2026 तक (प्रत्येक शनिवार) को और 07622 हजरत निजामुद्दीन से दिनांक 18.10.2026 से 29.11.2026 तक (प्रत्येक रविवार) को

स्थान: प्रथम वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

07021/07022 चर्लपल्ली-हजरत निजामुद्दीन-चर्लपल्ली विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	14 फेरे
रेलगाड़ी सं. 07021 आगमन	रेलगाड़ी सं. 07022 प्रस्थान
---	19:20
02:00	---
---	चर्लपल्ली
---	हजरत निजामुद्दीन
---	04:00

07023/07024 चर्लपल्ली-हजरत निजामुद्दीन-चर्लपल्ली विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक)	12 फेरे
रेलगाड़ी सं. 07023 आगमन	रेलगाड़ी सं. 07024 प्रस्थान
---	19:45
05:00	---
---	चर्लपल्ली
---	हजरत निजामुद्दीन
---	07:15

चलने के दिन: 07023 चर्लपल्ली से दिनांक 20.10.2026 से 24.11.2026 तक (प्रत्येक मंगलवार) को और 07024 हजरत निजामुद्दीन से दिनांक 22.10.2026 से 26.11.2026 तक (प्रत्येक बृहस्पतिवार) को

04083/04084 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-नई दिल्ली आरक्षित विशेष (साप्ताहिक)	04 फेरे
रेलगाड़ी सं. 04083 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04084 प्रस्थान
---	14:00
03:00	---
---	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा
---	10:00

चलने के दिन: 04083 नई दिल्ली से दिनांक 09.10.2026 एवं 16.10.2026 (शुक्रवार) को और 04084 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से दिनांक 10.10.2026 एवं 17.10.2026 (शनिवार) को

04083/04084 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-नई दिल्ली आरक्षित विशेष (साप्ताहिक)	04 फेरे
रेलगाड़ी सं. 04083 आगमन	रेलगाड़ी सं. 04084 प्रस्थान
---	14:00
03:00	---
---	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा
---	10:00

उत्तर रेलवे	सदेव आपकी सेवा में
	हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ	



'जानी, जिनके घर शीशे के हुआ करते हैं, वह दूसरों के घरों में पत्थर नहीं फेंका करते', 'हम आंखों से सूरमा नहीं चुराते, आंख ही निकाल लेते हैं', 'इस शहर में कौन सी फिरदौस है, जो हमें नहीं जानती', 'जानी मेरा नाम राजकुमार है' जैसे जीवंत संवाद शैली से सम्मोहित करने वाले अभिनेता राजकुमार ने 1950 में फिल्मी जीवन की शुरुआत उस समय की जब हिंदी फिल्म जगत पर राजकपूर, देवानंद और दिलीप कुमार की त्रिमूर्ति छाई हुई थी। लेकिन अपनी संवाद अदायगी और अकड़ी हुई चाल ने फिल्म जगत में उन्हें अलग पहचान दी। बंद गले का काला कोट, मुंह में सिगरेट-सिगार, पैरों में सफेद जूते, हवा में लहराता चाबी का गुच्छा और एक-एक वाक्य तौल-तौल कर बोलने वाले राजकुमार का नाम ही उनकी ठनकदार का पर्याय बन गया था और उनकी यही अदा पांच दशक तक उन्हें दर्शकों के बीच पसंदीदा कलाकार बनाए रखा।

राजकुमार का असली नाम पंडित कुलभूषण नाथ था। उनका जन्म 8 अक्टूबर 1927 को कश्मीरी पंडित और सेब के व्यापारी धनराज आनन्द के यहां हुआ था। दरअसल, राजकुमार का फिल्मी में आना भी महज एक संयोग ही था। हालांकि, वह ऐसी शख्सियत थे कि जहां भी रहते अपनी शर्तों पर अपने लिए स्थान बना लेते। स्नातक तक शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे मुंबई पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्त हो गए। लेकिन वे किसी अधिकारी को 'सेल्यूट' नहीं मारते थे। हर किसी से हाथ मिलाकर मिलने की प्रवृत्ति थी उनकी। वरिष्ठ अधिकारियों को यह बर्दाश्त नहीं हुआ तो उन्होंने इसकी

शिकायत मुख्यालय में कर दी। राजकुमार की पेशी हुई तो उन्होंने टका सा जवाब दिया कि वे नहीं समझते हैं कि कोई भी वरिष्ठ अधिकारी उनसे अच्छा काम करता है। इसलिए वे उन्हें सेल्यूट नहीं करते। एक पुलिस अधिकारी की हैसियत से राजकुमार का सर्विस रिकॉर्ड बहुत अच्छा था। इसलिए इस मामले को रफा-दफा कर दिया गया। लेकिन इस घटना के बाद राजकुमार ने दोस्तों के कहने पर पुलिस सेवा से इस्तीफा देकर फिल्मों में काम करने का निर्णय ले लिया। उनका फिल्मी कैरियर 1952 में 'रंगीली' से आरंभ हुआ। 1957 में 'मदर इंडिया' में श्यामू की भूमिका से पहचान मिली। पर उनको पहली व्यावसायिक सफलता 'दिल अपना और प्रीत पराई' के माध्यम से 1960 में मिली। वे कभी सुपर स्टार नहीं माने गए। इसका उन्हें कोई मलाल नहीं था। वे तो फिल्मों में ऐसा स्थान बनाना चाहते थे, जहां कोई आसानी से पहुंच न सके और वे इसमें सफल भी रहे। अपने 46 वर्षों के अभिनय जीवन में राजकुमार ने फिल्मी दुनिया के आकाश पर कई कीर्तिमान गढ़े हैं, जिन्हें भुलाना कठिन ही नहीं असंभव है। अपने फिल्मी जीवन के दौर में वे उस फिल्म में ज्यादा अच्छा काम कर सके, जहां उनके मुकाबले में कोई अच्छा कलाकार होता था। 'ट्रेजडी किंग' के रूप में अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंचे दिलीप कुमार के लिए भी पैगाम (1959) में राजकुमार की चुनौती इतनी भारी थी कि जानी के साथ दिलीप कुमार की दूसरी फिल्म 'सौदागर' (1991) का दर्शकों को पूरे 32 सालों तक इंतजार करना पड़ा था। इसी तरह फिल्म 'वक्त' में सुनील दत्त, शशिकपूर, बलराज

राजकुमार: संवाद अदायगी के राजा

साहनी, रहमान और जीवन जैसे नामी-गिरामी अदाकार थे। लेकिन यह फिल्म आज भी सिर्फ राजकुमार के लिए देखी जाती है। इतने बड़े-बड़े सितारों की भीड़ में राजकुमार का एक संवाद 'चिनया सेट, जिनके घर खुद शीशे के हों, वे दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते' या 'चाकू बच्चों के खेलने की चीज नहीं है' सुनने के लिए दर्शक बार-बार इसे देखने सिनेमा हॉल तक गये।

राजकुमार के पास दिलीप कुमार, राजकपूर या देवआनंद की तरह खूबसूरत चेहरा नहीं था। लेकिन सपाट चेहरे वाले राजकुमार ने अपनी अलग अदाकारी से इस त्रिमूर्ति के समानांतर अपनी जगह बनाने में सफलता पाई। अपने सामने वाले अदाकार के हिस्से का संवाद छीन लेना या उस पर हावी हो जाना राजकुमार के लिए आम बात थी। वह किसी भी भूमिका में उतरने के बावजूद भी सिर्फ राजकुमार ही नजर आते थे। नीलकमल के मूर्तिकार चित्रसेन, हीरो रांझा के हीरो, वक्त के दादा, काजल के शराबी, दिल अपना और प्रीत पराई के डाक्टर, पाकीजा के आशिक, दिल एक मंदिर के कैप्सर रोगी या तिरंगा के ब्रिगेडियर और बेताज बादशाह के रईस और अक्कड़ मिजाज व्यक्तित्व होने से पहले वह राजकुमार थे। यह उनके महिमा-मंडित और आभामंडल युक्त व्यक्तित्व का ही प्रभाव था। यह राजकुमार की अदायगी का ही प्रभाव था कि हमराज फिल्म में पद पर सिर्फ उनके सफेद जूते देखकर ही सिनेमा हॉल तालियों से गुंज उठता था।

राजकुमार फिल्म साइन करने से पहले स्क्रिप्ट के अलावा अपने संवाद भी बहुत ध्यान से पढ़ते थे। उनको पता था कि उनकी आवाज व विशिष्ट शैली में बोले गए संवाद ही उनकी सफलता का राज है। फलतः अपने फिल्मी करियर के आरंभ में ही उन्होंने इस बात पर सर्वाधिक ध्यान दिया। इसी कारण उन्हें संवादों के शहंशाह का खिताब हासिल हुआ। इसमें दो राय नहीं कि अगर किसी कलाकार के सबसे ज्यादा संवाद लोकप्रिय हुए तो वे थे राजकुमार। 'जानी' का तकिया कलाम तो

राजकुमार का पर्याय ही बन चुका था। लखनऊ में वह कौन सी फिरदौस है जिसका पता हम नहीं जानते (मेरे हुजूर), आपके पांव बड़े खूबसूरत हैं, इन्हें जमीन पर मत रखिए, वरना मैले हो जायेंगे (पाकिजा), हमें मिटा सके, जमाने में वो दम नहीं, हमसे है जमाना, जमाने से हम नहीं (बुलंदी), हम तुम्हें मारेंगे, जरूर मारेंगे, मगर बंदूक भी हमारी होगी, गोली भी हमारी होगी और वक्त भी हम खुद तय करेंगे (सौदागर), हम चाहें तो सीबीआई की नौकरी छोड़कर चुनाव लड़ सकते हैं, मगर नेता सीबीआई अफसर नहीं बन सकता। यह और बात है कि हमने अभी चुनाव लड़ना जरूरी नहीं समझा (पुलिस पब्लिक), हम आंखों से सूरमा नहीं चुराते, आंख ही निकाल लेते हैं (तिरंगा) जैसे न जाने कितने संवाद हैं जो राजकुमार की विशिष्ट अभिनय शैली के पर्याय बन गये।

राजकुमार लीक से हटकर भूमिका करने का खतरा हमेशा लेते रहे। वे अपने फिल्मी चरित्र के नकारात्मक पक्ष को इस खूबी से उभारते थे कि लोग उन मैनरिज्म को आत्मसात करने में नहीं हिचकते थे। लेकिन हीर रांझा और पाकीजा में रोमांटिक भूमिका करके उन्होंने अपने कला पक्ष की वैविध्यता का भी लोहा मनवा लिया। राजकुमार को 1963 में दिल एक मंदिर के लिए सर्वोत्तम सहायक अभिनेता का फिल्म फेयर अवार्ड दिया गया।1965 में वक्त फिल्म में उत्कृष्ट अभिनय के लिए उन्हें फिर सर्वोत्तम सहायक अभिनेता का फिल्म फेयर अवार्ड दिया गया। मगर उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। क्योंकि कहना था कि उनकी भूमिका फिल्म में नायक की थी, सहनायक की नहीं।

भारतीय फिल्म जगत में जहां अपना स्थान बनाने के लिए लोग क्या-क्या समझौते नहीं करते, वहीं राजकुमार ने अपनी शर्तों पर फिल्मों का चयन कर यह साबित कर दिया कि अगर कलाकार में दम है तो वह किसी प्रकार का समझौता करने को बाध्य नहीं हो सकता। राजकुमार के जाने के साथ ही भारतीय फिल्म जगत में जीवंत अदायगी का एक ऐसा अस्थाय अवकूद हो गया है, जिसकी पूर्ति के लिए स्वयं राजकुमार को फिर से जन्म लेना होगा।



शुगर और हाई बीपी से कमजोर हो सकती हैं आंखें

खानपान और लाइफस्टाइल से जुड़ी गड़बड़ी ने कई तरह की क्रॉनिक बीमारियों के खतरे को काफी बढ़ा दिया है। लिहाजा कई बीमारियां जो पहले के समय में बढ़ती उम्र के साथ हुआ करती थी, वह कम उम्र वालों में भी देखी जा रही हैं। इनमें से एक दिक्कत आंखों की है। अब कम उम्र में आंखों की रोशनी कम होने और चश्मा लगाने की समस्या बेहद आम बात हो गई हैं। आंखों की रोशनी कम होने के पीछे कई वजह हो सकती हैं। शरीर में मौजूद कुछ बीमारियों के कारण धीरे-धीरे आंखों को भी नुकसान हो रहा है। डायबिटीज इसका एक बड़ा उदाहरण है। लंबे समय तक हाई ब्लड शुगर की समस्या होने पर आंखों के पीछे मौजूद रेटिना की छोटी ब्लड वेसेल्स को नुकसान होता है। जिस कारण डायबिटिक रेटिनोपैथी जैसी समस्या हो सकती है। वहीं डायबिटीज से ग्लूकोमा और मोतियाबिंद का भी जोखिम बढ़ जाता है। ठीक उसी तरह हाई बीपी की समस्या भी आंखों की ब्लड वेसेल्स को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आंखों की बढ़ती समस्याओं के पीछे की बीमारियों के बारे में बताते जा रहे हैं।

डायबिटीज वालों में अधिक खतरा: लंबे समय तक ब्लड शुगर हाई रहने की वजह से आंख की रेटिना की ब्लड वेसेल्स को नुकसान हो सकता है। इसको डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। हालांकि शुरुआत में इसका कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखता है। हालांकि समय के साथ आपकी रोशनी धुंधली दिखने लगे, आंखों के सामने धब्बे या रोशनी कम होने जैसी समस्या हो सकती है। डायबिटीज वाले लोगों में ग्लूकोमा और मोतियाबिंद का खतरा बढ़ा हुआ देखा जाता रहा है।

डायबिटीज के शिकार लोगों को आंखों से जुड़ी समस्या को कम करने के लिए ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने के साथ-साथ साल में कम से कम 1 बार आंखों की जांच जरूर कराना चाहिए।

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या: लगातार ब्लड प्रेशर बढ़े रहने से शरीर की रक्त वाहिकाओं पर दबाव पड़ता है। आंखों में मौजूद छोटी रक्त वाहिकाएं भी इससे प्रभावित हो सकती हैं। इसलिए हाई बीपी वाले लोगों को नियमित रूप से अपना ब्लड प्रेशर कंट्रोल रखना चाहिए।

प्रेम को समझना आसान नहीं, महसूस करना पड़ता है

प्रेम... एक ऐसा शब्द, जिसे बोलना बहुत आसान है, लेकिन समझना शायद पूरी जिंदगी भी कम पड़ जाए। प्रेम को परिभाषित करने की कोशिश जब भी हुई, शब्द छोटे पड़ गए। किसी ने इसे पूजा कहा, किसी ने समर्पण, किसी ने पागलपन और किसी ने जीवन की सबसे खूबसूरत अनुभूति। लेकिन सच तो यह है कि प्रेम इन सबके बीच कहीं सांस लेता है। वह दिखाई नहीं देता, फिर भी जीवन के सबसे गहरे हिस्से को छू जाता है। कभी किसी की आंखों में उतरकर प्रेम हमारे भीतर घर बना लेता है, कभी किसी की आवाज सुनते ही मन शांत हो जाता है, कभी किसी की एक मुस्कान पूरे दिन की थकान मिटा देती है और कभी वही मुस्कान याद बनकर आंखों में नमी भी ले आती है। यही प्रेम है, वह जो बिना दस्तक दिए दिल में प्रवेश करता है और फिर वहां से निकलने का रास्ता भूल जाता है।

मनुष्य ने जीवन में बहुत कुछ अपने निर्णय से चुना है कहां पढ़ना है, क्या बनना है, किस रास्ते पर चलना है, किससे मित्रता करनी है, लेकिन प्रेम शायद उन चीजों में से है, जिसे मनुष्य चुनता कम और महसूस अधिक करता है। हम नहीं जानते कि हमें कब किसी से प्रेम हो जाएगा। हमें नहीं पता कि वह प्रेम जीवनभर साथ रहेगा या कुछ समय बाद एक स्मृति बन जाएगा। हमें यह भी मालूम नहीं होता कि जिसे हम अपनी जिंदगी का सबसे जरूरी व्यक्ति समझ रहे हैं, वह हमारी कहानी का अंतिम पात्र होगा या केवल एक सुंदर अध्याय। प्रेम के भाग्य में क्या लिखा है, यह मनुष्य नहीं जानता। शायद यह केवल ईश्वर जानता है। हम अक्सर प्रेम को पाने की इच्छा से जोड़ देते हैं। हमें

लगता है कि जिसे हम चाहते हैं, वह भी हमें चाहे, हमारे साथ रहे, हमारी भावनाओं को समझे और हमारे जीवन का हिस्सा बने। इसमें कुछ गलत भी नहीं। हर प्रेमी मन के किसी कोने में यही सपना देखता है। लेकिन प्रेम केवल पाने का नाम नहीं है। प्रेम का एक रूप वह भी है, जिसमें हम किसी को उसकी खुशी के लिए स्वतंत्र छोड़ देते हैं। कभी-कभी प्रेम में सबसे कठिन निर्णय यही होता है कि जिसे हम अपने पास रखना चाहते हैं, उसे जाने दें। दिल कहता है उसे रोक लो। मन कहता है उसे समझाओ। यादें कहती हैं इतनी आसानी से हार मत मानो, लेकिन परिस्थितियां कहती हैं हर रिश्ता साथ रहने के लिए नहीं बना होता। तब प्रेम एक परीक्षा बन जाता है। और जो व्यक्ति उस परीक्षा में सामने वाले की खुशी को अपने अधिकार से ऊपर रख पाता है, शायद वही प्रेम का वास्तविक अर्थ समझ पाता है।

प्रेम से पहले हम केवल अपने बारे में सोचते हैं, लेकिन प्रेम के बाद किसी दूसरे की चिंता हमारे भीतर जन्म लेती है। पहले हमें अपनी नींद प्यारी होती है, फिर किसी की आवाज सुनने के लिए रात तक जागना अच्छा लगने लगता है। पहले हम अपनी खुशी तलाशते हैं, फिर किसी दूसरे की मुस्कान में अपनी खुशी मिलने लगती है। प्रेम मनुष्य को बदल देता है। वह उसे संवेदनशील बनाता है, उसे दूसरों के दर्द को समझना सिखाता है, उसे धैर्य देता है, उसे इंतजार करना

सिखाता है और कभी-कभी वह साहस भी देता है, जो अकेले मनुष्य में नहीं होता। किसी के लिए बेहतर बनने की इच्छा भी प्रेम से जन्म ले सकती है। एक व्यक्ति जो कल तक अपने भविष्य को लेकर उदासीन था, प्रेम के बाद अपने सपनों को गंभीरता से लेने लगता है। उसे लगता है कि उसे केवल अपने लिए

प्रेम में यह कहना भी जरूरी है।“तुम जैसे हो, मैं तुम्हें समझने की कोशिश करूंगा।”

नहीं, किसी और के लिए भी मजबूत बनना है। यही प्रेम की शक्ति है। लेकिन जहां प्रेम शक्ति देता है, वहीं उसका अतिरेक मनुष्य को कमजोर भी कर सकता है। जब हम अपनी पूरी खुशी किसी एक

व्यक्ति के हाथों में सौंप देते हैं, तब हम अपनी भावनाओं के मालिक नहीं रहते। सामने वाले की एक छोटी-सी बात हमें आसमान पर पहुंचा देती है और उसकी एक बेरुखी हमें जमीन पर गिरा देती है। फोन पर आया एक संदेश खुशी देता है और संदेश न आए तो बेचैनी होने लगती है।

किसी का मिलना अच्छा लगता है और उसका दूर जाना

असहनीय लगने लगता है। यहीं से प्रेम और निर्भरता के बीच की महीन रेखा शुरू होती है। प्रेम सुंदर है, लेकिन किसी व्यक्ति को अपनी पूरी दुनिया बना देना हमेशा सुंदर नहीं होता, क्योंकि दुनिया का कोई भी व्यक्ति हमेशा हमारे

साथ नहीं रह सकता। जीवन में परिस्थितियां बदलती हैं, लोग बदलते हैं, रिश्ते बदलते हैं और कभी-कभी हमारी सबसे मजबूत उम्मीदें भी टूट जाती हैं। इसलिए प्रेम कीजिए, लेकिन स्वयं को मत खोइए। किसी को अपना बनाइए, लेकिन अपने अस्तित्व की कीमत पर नहीं। आज के समय में प्रेम के नाम पर सबसे अधिक जो चीज रिश्तों को नुकसान पहुंचाती है, वह है अविश्वास। “कहां थे २?”, “किससे बात कर रहे थे २?”, “फोन क्यों नहीं उठाया २?”, “मेरे अलावा किसी और से इतनी बात क्यों करते हो २?” ये सवाल कभी-कभी चिंता से जन्म लेते हैं, लेकिन लगातार पूछे जाने लगे तो रिश्ते को सांस लेने में कठिनाई होने लगती है। प्रेम किसी को कैद करने का नाम नहीं है। यदि किसी व्यक्ति को हर पल यह साबित करना पड़े कि वह आपसे प्रेम करता है, तो शायद वहां प्रेम से अधिक भय मौजूद है। सच्चा प्रेम कहता है “मुझे तुम पर विश्वास है।” और विश्वास का अर्थ यह नहीं कि सामने वाला कभी गलती नहीं करेगा। विश्वास का अर्थ है कि रिश्ते में इतनी मजबूती हो कि गलती के बाद भी संवाद का रास्ता खुला रहे।

हर मनुष्य अधूरा है। हर व्यक्ति के भीतर कुछ अच्छी बातें हैं और कुछ कमजोरियां भी। प्रेम यदि केवल अच्छाइयों से है तो वह आकर्षण हो सकता है, लेकिन जब हमें किसी की कमजोरियां मालूम होने के बावजूद उसके प्रति सम्मान बना रहता है, तब प्रेम गहरा होने लगता है। प्रेम में यह कहना भी जरूरी है।“तुम जैसे हो, मैं तुम्हें समझने की कोशिश करूंगा।” लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि प्रेम के नाम पर गलत व्यवहार स्वीकार कर लिया जाए। प्रेम में सम्मान आवश्यक है और

आत्मसम्मान उससे भी अधिक। जहां अपमान

लगातार हो, जहां हिंसा हो, जहां भय हो, जहां व्यक्ति स्वयं को खोने लगे वहां केवल प्रेम का नाम लेकर रिश्ते को ढोते रहना प्रेम नहीं है। प्रेम का एक संसार ऐसा भी है, जहां दो लोग नहीं होते, केवल एक व्यक्ति होता है और उसकी भावनाएं होती हैं। वह किसी को चाहता है, उसके आने की प्रतीक्षा करता है, उसके संदेश का इंतजार करता है, उसकी तस्वीर देखकर मुस्कुराता है, लेकिन सामने वाला शायद कुछ भी महसूस नहीं करता।

एकतरफा प्रेम बहुत गहरा दर्द दे सकता है, क्योंकि इसमें उम्मीद का जन्म भी स्वयं होता है और टूटना भी स्वयं। लेकिन यहां भी एक बात समझना जरूरी है किसी को प्रेम करना हमारा अधिकार है, लेकिन सामने वाले से प्रेम करवाना हमारा अधिकार नहीं। प्रेम प्रस्ताव स्वीकार हो सकता है, अस्वीकार भी।

किसी का हमें न चुनना, हमारी कीमत कम नहीं करता। यह बात हर उस युवा को समझनी चाहिए, जो प्रेम में असफल होने के बाद स्वयं को असफल समझने लगता है। प्रेम में इंतजार का अपना एक संगीत होता है। किसी के आने का इंतजार, किसी की आवाज का इंतजार, किसी के एक संदेश का इंतजार और कभी-कभी केवल इस उम्मीद का इंतजार कि शायद वह एक दिन समझ जाएगा कि हम उसे कितना चाहते हैं। लेकिन हर इंतजार का अंत मिलन हो, यह जरूरी नहीं। कुछ इंतजार हमें स्वयं से मिलाने के लिए होते हैं। जब सामने वाला नहीं मिलता, तब हम अपने भीतर उतरते हैं और पूछते हैं मैं आखिर चाहता क्या हूँ?

डोकला को एकदम स्पंजी बनाने के

संक्रिट टिप्स

- बेसन में ज्यादा हल्दी न डालें, वरना बेकिंग सोडा रिक्वाशन करेगा, जिससे डोकले पर लाल-भूरे धब्बे पड़ जाएंगे। इसलिए हल्दी लिमिटेड ही रखें।
- बेकिंग सोडा मिलाने के बाद बैटर को ज्यादा समय तक बाहर न रखें, वरना उसकी गैस निकल जाएगी और डोकला स्पंजी नहीं बनेगी।
- जब आप बेसन का इस्तेमाल करें, तो सबसे पहले छलनी से अच्छे से छान लें। ताकि गुठलियां न पड़े।
- बेसन और पानी का घोल बनाते समय उसे कम से कम 3-4 मिनट तक एक ही दिशा में फेंटें।
- बैटर में 1 बड़ा चम्मच तेल डाल दें। इससे डोकला अंदर से सूखा-सूखा नहीं होगा।



बिना खमीर घर पर बनाएं बाजार जैसा स्पंजी ढोकला

गुजरात का सबसे लोकप्रिय खमन ढोकला हर घर में खाया जाता है। लोग इसे अब अपने घर में बनाने लगे हैं। यह स्वाद के साथ ही काफी हेल्दी भी होता है। हालांकि, लोग इसे घर में बनाने से कई बार कतराते हैं, क्योंकि इसके लिए खमीर उठाना पड़ता है या फिर यीस्ट का इस्तेमाल करना पड़ता है। अब आपको एकदम बजार जैसा स्पंजी और रूई जैसा रसीला ढोकला सिर्फ 10 मिनट में तैयार हो जाएगा। आइए आपको रेसिपी बताते हैं-

सामग्री: बैटर के लिए सामग्री - 1 कप बेसन, 2 चम्मच सूजी, आधा कप ताजा दही, आधा चम्मच अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, स्वादानुसार नमक, 1 चम्मच चीनी, चुटकी भर हल्दी और 1 बड़ा चम्मच तेल,

घोल को स्पंजी बनाने के लिए - आधा चम्मच बेकिंग सोडा। खड़ा-मीठा तड़का और गार्निशिंग के लिए- 2 चम्मच तेल, 1 चम्मच राई, 2 से 3 कटी हरी मिर्च, थोड़े कढ़ी पत्ते, 1

चम्मच चीनी, आधा कप पानी, नींबू का रस, बारीक कटा हरा धनिया और कद्दूकस किया ताजा नारियल।

स्पंजी ढोकला बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े मिक्सिंग बाउल में बेसन और सूजी को छलनी से छान लीजिए। बेसन और सूजी को छलनी से छान लीजिए। चुटकीभर हल्दी, 1 चम्मच तेल और अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डाल लें। अब इसमें 2 से 3 मिनट तक फेंटें, जिससे यह स्मूथ और गाढ़ा घोल बने।

● इसके बाद डोकला पकाने वाले टिन या गहरी प्लेट में थोड़ा-सा तेल लगाकर चारों तरफ ग्रीस कर लें। अब कढ़ाई या स्टीमर में 2 गिलास पानी डालें। इसे मध्यम आंच पर उबलने दें।

● स्टीमर का पानी उबलने लगे, तो बेसन के बैटर में बेकिंग सोडा और थोड़ा पानी डालें। फिर इसे एक ही दिशा में मिला लें। इसके बाद बैटर फूलकर झागदार हो जाएगा।

● अब फूले हुए बैटर को बिना देर किए ग्रीस की हुई प्लेट में डालें। अब प्लेट को उबलते हुए पानी वाले स्टीमर में रखें, ढक्कन बंद करें और 10 मिनट के लिए स्टीम होने दें। 10 मिनट के बाद चाकू से आप चेक करें। यदि चाकू साफ बाहर आए, तो ढोकला पक चुका है।

● इसके बाद डोकले को स्टीमर से निकालकर 5 मिनट ठंडा होने दें, फिर मनचाहे शेष में काट लें।

● अब एक पैन में 1 चम्मच तेल गर्म करें। इसमें राई, कढ़ी पत्ता और लंबी कटी हुई हरी मिर्च डालकर चटकाएं। इसमें अब आधा कप पानी, 1 चम्मच चीनी और नींबू का रस डालकर उबाल लें।

● फिर इस रसीले तड़के के पानी को कटे हुए डोकले पर चारों तरफ फैलाकर डालें और बारीक हरे धनिया से गार्निश करें। इसके बाद आपका डोकला तैयार कर लें। आप चाहे तो इसे सर्व कर सकती हैं।



एक नज़र

टी20 डेब्यू पर गदर काटने के बाद नमन धीर को अब इसका इंतजार, बोले- अगर मौका मिला तो खुशी होगी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मैच में शानदार डेब्यू करने वाले भारत के ऑलराउंडर नमन धीर अपनी गेंदबाजी से योगदान देकर खुश थे, हालांकि वह अब भी बले से मौके का इंतजार कर रहे हैं जो उनकी मजबूती है। अपने टी20 इंटरनेशनल डेब्यू पर नमन ने ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से 31 रन देकर तीन विकेट के प्रभावशाली आंकड़े दर्ज किए और भारत को वेस्टइंडीज को 171 रन पर समेटने में मदद की। भारत ने मंगलवार को कप्तान श्रेयस अय्यर के पहले टी20 शतक (43 गेंदों पर नाबाद 102) की बदौलत 14.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। अय्यर ने मैदान के चारों ओर शानदार शॉट लगाए और तेजी से रन बनाते हुए 42 गेंदों अपना पहला टी20 शतक पूरा किया। नमन ने लखनऊ में मैच के बाद प्रेस कॉन्फेंस में कहा, मैं अब भी बल्लेबाजी में अपने मौके का इंतजार कर रहा हूँ और अगर मुझे बले से मौका मिलता है तो मुझे खुशी होगी। लेकिन मैं खुश हूँ कि मैं गेंद से योगदान दे सका और टीम जीत गई। नमन ने कहा कि इकाना क्रिकेट स्टेडियम की पिच ने सुनिश्चित किया कि स्पिनरों के लिए गेंद थोड़ी धीमी गति से करनी पड़े। नमन ने 12वें ओवर में कप्तान शाई होप (52) को अक्षर पटेल के हाथों डीप मिडविकेट पर कैच कराया। रोमारियो शेफर्ड (7) ने 14वें ओवर में नमन के खिलाफ छक्का लगाया, लेकिन अगली ही गेंद पर लॉन्ग ऑफ पर तिलक वर्मा को कैच दे बैठे। उन्होंने 16वें ओवर में शमर स्मीगर (9) को अक्षर के हाथों कैच कराकर अपना तीसरा विकेट हासिल किया। नमन ने कहा, निश्चित रूप से मुझे जो पहला विकेट मिला, वह मेरे लिए एक उपलब्धि थी, लेकिन साथ ही यह सब अपनी योजनाओं को अमल में लाने के बारे में है। विकेट की मांग थी कि मैं गेंद थोड़ी धीमी गति से करूँ जो अंत में कारगर साबित हुई। उन्होंने कहा, मैं काफी लंबे समय से गेंदबाजी कर रहा हूँ, ऐसा नहीं है कि मैंने अभी शुरुआत की है। आईपीएल में, आप मुझे कम गेंदबाजी करते हुए देखते हैं क्योंकि इम्पैक्ट प्लेयर नियम है, लेकिन ऐसा नहीं है कि मैं गेंदबाजी नहीं कर रहा हूँ। मैं भविष्य में गेंद के साथ अच्छा प्रदर्शन करता रहूँगा। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने दो-दो जबकि अर्शदीप सिंह और मयंक यादव ने एक-एक विकेट चटकाया। वेस्टइंडीज की टीम 19.1 ओवर में ऑलआउट हो गई।

ईशान किशन ने तोड़ा विराट कोहली का 10 साल पुराना रिकॉर्ड, एक साल में सबसे ज्यादा टी20 रन बटोरने वाले भारतीय बने

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उनका भारत बनाम वेस्टइंडीज पहले टी20 मैच में भी बल्ला बोला। उन्होंने मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 27 गेंदों में पांच चौकों की मदद से नाबाद 37 रन बनाए। ईशान ने कप्तान श्रेयस अय्यर (43 गेंदों में नाबाद 102) के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रनों की अदृट साझेदारी की और भारत को 8 विकेट से जीत दिलाई। 28 वर्षीय ईशान भले ही फिफ्टी पूरी नहीं कर पाए लेकिन उन्होंने एक दमदार कीर्तिनाम अपने नाम कर लिया है। ईशान ने सुपरस्टार क्रिकेटर विराट कोहली का एक 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ डाला है। वह टी20 क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा टी20 रन बटोरने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। ईशान 2026 में अब तक 45 टी20 मैचों में 39.14 के औसत से 1644 रन बना चुके हैं, जिसमें एक शतकीय और 13 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं। उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में मौजूदा साल में अभी तक 38.59 के औसत से 1042 रन जुटाए हैं। ईशान ने आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए 15 मैचों में 602 रन जोड़े थे, जिसमें 40.13 का औसत रहा। वहीं, कोहली ने 2016 में टी20 क्रिकेट में 31 मुकाबले खेलने के बाद 1614 रन बनाए थे। उनका औसत 89.66 का रहा। उन्होंने चार शतक और सात अर्धशतक लगाए थे। कोहली ने आईपीएल 2016 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए 973 रन जुटाए, जिसमें 81.08 औसत का था। यह आईपीएल इतिहास में एक सीजन में सर्वाधिक रन हैं। कोहली ने उस साल टी20 इंटरनेशनल में 15 मैचों में 106.83 के औसत से 641 रन बटोरे थे। 37 वर्षीय कोहली टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से सन्यास ले चुके हैं और भारत के लिए सिर्फ वनडे में एक्टिव हैं। एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले भारतीय1644 – ईशान किशन (2026) 1614 – विराट कोहली (2016) 1602 – अभिषेक शर्मा (2025) 1503 – सूर्यकुमार यादव (2022) 1395 – अभिषेक शर्मा (2026) 1338 – सूर्यकुमार यादव (2023) लखनऊ टी20 में 172 रनों के लक्ष्य का पीछ करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी।

कप्तानी ने डाली मंधाना और हरमनप्रीत में दरार? भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान बनना लगभग तय था और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को उन्हें टीम का नया कप्तान नियुक्त भी कर दिया। लेकिन सवाल यह है कि क्या बाएं हाथ की इस 30 वर्षीय बल्लेबाज को नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपने में देर हो गई है जबकि मौजूदा समय में वह देश की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में काफी आगे हैं। साल 2016 में पहली बार भारत की कप्तानी करने वाली हरमनप्रीत ने बीसीसीआई के साथ समीक्षा बैठक के बाद तीनों प्रारूपों की कप्तानी से हटने का फैसला किया। मोगा की 37 वर्षीय

खिलाड़ी ने कप्तान के रूप में अपने शानदार अपने कार्यकाल का अंत बेहतरीन अंदाज में किया। उन्होंने हाल ही में जापान में भारत को लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल दिलाया। स्मृति का हरमनप्रीत की जगह कप्तानी संभालना स्वाभाविक विकल्प था। साल 2013 में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाली यह स्टार सलामी बल्लेबाज मंधाना अब खेल की प्रमुख बल्लेबाजों में शामिल है और तीनों प्रारूपों में 10,000 से अधिक रन बना चुकी हैं। कौशल के मामले में स्मृति हमेशा बाकी खिलाड़ियों से आगे रहीं हैं और अब उन्होंने अपने खेल में आक्रामकता जोड़कर खुद को और

खेल

कप्तानी ने डाली मंधाना और हरमनप्रीत में दरार? भारतीय ट्रेसिंग रूम तक पहुंच गई थी आंच

निखारा है। यह कोई रहस्य नहीं था कि भारत के पिछले साल घरेलू मैदान पर वनडे वर्ल्ड कप जीतकर आईसीसी खिताब के सूखे को खत्म करने के बावजूद चयनकर्ताओं द्वारा कप्तानी में यथास्थिति बनाए रखने से स्मृति निराश थी।

हाल ही में एक साक्षात्कार में उन्होंने भारत की कप्तानी करने के लिए अपनी तैयारी जाहिर की थी और एशियन गेम्स का गोल्ड जीतने के बाद कहा था कि भारत को इससे भी बड़े टूर्नामेंट जीतने का लक्ष्य रखना चाहिए। वनडे वर्ल्ड कप की सफलता के बीच भारत लगातार दो टी20 वर्ल्ड कप में जल्दी बाहर हो गया था जिससे सबसे

छोटे प्रारूप में टीम के नेतृत्व पर सवाल उठने लगे थे। लेकिन चयनकर्ताओं ने तब बदलाव नहीं किया। हालांकि बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया की अध्यक्षता में गुवाहाटी में हुई समीक्षा बैठक में हरमनप्रीत को यह स्पष्ट कर दिया गया कि नेतृत्व में बदलाव अब अपरिहार्य है।

इसके बाद उन्होंने खुद ही कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। हरमनप्रीत और स्मृति के बीच कप्तानी को लेकर मतभेद भी एक पेचीदा मुद्दा बन गया था जबकि दोनों पहले काफी अच्छी तरह घुलती-मिलती थीं। टीम के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, वे कुछ समय से कई मुद्दों पर एकमत नहीं थीं और इससे

ट्रेसिंग रूम में असहजता साफ दिखाई देने लगी थी। इस साल की शुरुआत में ब्रिटेन में हुए टी20 वर्ल्ड कप से भारत के बाहर होने के बाद दिग्गज खिलाड़ी मिताली राज ने पीटीआई से कहा था कि चयनकर्ताओं को दो-तीन साल पहले ही स्मृति को कप्तानी सौंप देनी चाहिए थी। उन्होंने हरमनप्रीत की फॉर्म और फिटनेस पर भी सवाल उठाए थे। मिताली ने कहा था, मुझे लगा था कि दो-तीन साल पहले ही उन्हें वनडे की कप्तानी दे दी जाएगी। वह अब भी वनडे और टेस्ट की कप्तानी कर सकती हैं और टी20 की कप्तानी शंकाली (वर्मा) जैसी किसी युवा खिलाड़ी को दी जा सकती है।

बाकी खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी, कपिल देव ने भुवनेश्वर की वापसी पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने भुवनेश्वर कुमार की भारतीय टी 20 टीम में वापसी का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि उनकी वापसी से अन्य खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी कि मेहनत और फिटनेस से किसी भी खेल में वापसी की जा सकती है। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की लगभग चार साल बाद भारतीय टीम में वापसी हो गई है। न्यूजीलैंड दौरे पर होने वाली टी 20 सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित हुई है, जिसमें 36 साल के भुवनेश्वर का नाम भी शामिल है। भुवनेश्वर ने नवंबर 2022 में आखिरी बार चार साल पहले न्यूजीलैंड के ही खिलाफ न्यूजीलैंड में टी20 मैच खेला था।

ये ही उनका भारत के लिए आखिरी मैच भी था। भारतीय टीम से बाहर होने के बावजूद भुवनेश्वर लगातार घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में हिस्सा लेते रहे। पिछले दो सीजन से आईपीएल में उनका प्रदर्शन भी काफी अच्छा रहा है। हाल ही में खेली गई यूपी टी20 लीग में भुवनेश्वर ने 11 पारियां में सिर्फ 6.11 की इकॉनमी और 16.00 की औसत से 14 विकेट लिए थे। कपिल ने जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजॉर्ट चैंपियनशिप के पहले दिन आज कहा,भुवी ने भारतीय टीम से बाहर होने के बाद बहुत मेहनत की, अपनी फिटनेस पर काम किया,

श्रेयस अय्यर ने बतौर कप्तान धीमी शुरुआत के बाद पकड़ी रफ्तार, जीत गए लगातार 10 मुकाबले

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बतौर कप्तान भले ही धीमी शुरुआत की थी लेकिन अब उनकी कप्तानी में भारतीय टीम जीत के रथ पर सवार हो चुकी है। श्रेयस की कप्तानी में भारत ने अपने पिछले सभी 10 मैचों में जीत हासिल की है। श्रेयस अय्यर को जून 2026 में भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया गया था। उन्होंने सूर्यकुमार की जगह ली, जिन्होंने इस साल टी20 विश्व कप में अपनी कप्तानी में भारत को लगातार दूसरी बार कोपा अमेरिका का खिताब दिलाया। अपनी कप्तानी में मेसी ने अर्जेंटीना को चार बड़े खिताब दिलाए।

दिल्ली कैपिटल्स कोच बनते ही हितों के टकराव पर सौरव गांगुली ने तोड़ी चुप्पी

फुटबॉल टीम ने बेंगलुरु में पनामा के खिलाफ 1–1 से ड्रॉ खेला, जिसके बाद उसे पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील (0–4) और दो बार के विश्व चैंपियन उरुग्वे (1–6) के खिलाफ लगातार हार मिली। गांगुली ने सुपरस्टार लियोनेल मेसी के बेनिन के खिलाफ विदाई मैच के बारे में भी बात की, उन्होंने कहा, मैं सुबह मैच नहीं देख पाऊंगा, इसलिए मैं दोबारा प्रसारित होने पर ही इसे देखूंगा। मेसी के सन्यास के बारे में उन्होंने कहा, यही खेल का नियम है। यह सभी के लिए है। गांगुली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और बाद में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 25 वर्षों का नेतृत्व पूरा करने पर बधाई भी दी। उन्होंने कहा, वह एक विशाल देश के नेता हैं। उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूँ, हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं।

श्रेयस अय्यर ने टी20 रैंकिंग में लगाई 18 स्थान की छलांग, कोहली का हुआ नुकसान



नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को पुरुष खिलाड़ियों की ताजा टी20 और वनडे रैंकिंग जारी की है। भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 में 18 स्थान चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। उनके खाने में फिलहाल 786 रेटिंग अंक हैं। 31 वर्षीय अय्यर ने टी20 में पहली बार टॉप 10 रैंकिंग में एंट्री की है। उन्होंने मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 में तूफानी शतक जमाया। अय्यर ने लखनऊ के मैदान पर 43 गेंदों में नाबाद 102 रन बनाए, जिसमें दस चौके और छह सिक्स शामिल हैं। यह उनके टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक था। टॉप 10 बल्लेबाजों में अब चार भारतीय हैं। ईशान किशन (902) पहले स्थान पर काबिज हैं। अभिषेक शर्मा (887) दूसरे जबकि तिलक वर्मा (719) दसवें पायदान पर मौजूद हैं। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफैन रदरफोर्ड लखनऊ में फिफ्टी जड़ने के बाद 10 पायदान चढ़कर 37वें नंबर पर पहुंचने गए हैं। वहीं, टी20 बॉलर्स की रैंकिंग में टॉप पर बड़ा बदलाव हुआ है। पाकिस्तान के स्पिनर अबराह अहमद (718) से नंबर-1 टी20 गेंदबाज का ताज छिन गया है। उनकी जगह अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान (720) टॉप

अर्जेंटीना के लिए मेसी का शानदार सफर खत्म, 21 साल में 126 गोल और 4 बड़े खिताब

नई दिल्ली(एजेंसी)। लियोनेल मेसी ने ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मास मोरुमेंटल में बेनिन के खिलाफ अपने इंटरनेशनल करियर का आखिरी मुकाबला खेला। इस मुकाबले के साथ ही फुटबॉल के जादूगर कह जाने वाले मेसी की अर्जेंटीना की जर्सी में भावुक विदाई हुई। अपने ऐतिहासिक करियर में मेसी ने कई बड़े मुकाम हासिल किए और वह अपने पीछे वो विरासत छोड़कर गए, जिसकी बराबरी शायद कभी नहीं की जा सकेगी। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए इंटरनेशनल फुटबॉल में अपना डेब्यू साल 2005 में किया था। साल 2008 में मेसी अर्जेंटीना के बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। इसके बाद साल 2014 में अर्जेंटीना को फीफा विश्व कप के फाइनल में जर्मनी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जबकि कोपा अमेरिका के फाइनल में भी अर्जेंटीना को हार का सामना करना पड़ा। साल 2016 में मेसी ने

अपने खेल पर उठते सवालों के चलते अचानक रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया। हालांकि, जल्द ही फैंस और अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के अधिकारियों द्वारा समझाने के बाद उन्होंने अपना फैसला बदल लिया। इसके बाद ही मेसी के स्वर्णिम करियर का आगाज हुआ। 2021 में अर्जेंटीना ने ब्राजील को हराकर कोपा अमेरिका का खिताब अपने नाम किया और मेसी के करियर का यह पहला बड़ा इंटरनेशनल खिताब रहा। साल 2022 मेसी के लिए ऐतिहासिक रहा और उनकी कप्तानी में अर्जेंटीना ने रोमांच से भरपूर फाइनल मुकाबले में फ्रांस को हराकर फीफा वर्ल्ड कप के खिताब पर कब्जा जमाया। मेसी गोल्डन बॉल अवॉर्ड भी जीतने में सफल रहे। 2024 में मेसी ने अपनी अगुवाई में अर्जेंटीना को लगातार दूसरी बार कोपा अमेरिका का खिताब दिलाया। अपनी कप्तानी में मेसी ने अर्जेंटीना को चार बड़े खिताब दिलाए।

दिल्ली कैपिटल्स कोच बनते ही हितों के टकराव पर सौरव गांगुली ने तोड़ी चुप्पी

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच का पद संभालने के साथ ही बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बने रहने में हितों का कोई टकराव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उनके पास बीसीसीआई लोकपाल का आदेश है। गांगुली पहली बार किसी आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) टीम के मुख्य कोच का पद संभालेंगे।

वह दिल्ली कैपिटल्स में हेमंग बदानी की जगह लेंगे और 2027 सत्र में टीम का मार्गदर्शन करेंगे। वह हालांकि 2019 से कैपिटल्स से जुड़े हुए हैं। वह पुरुष और महिला दोनों टीम के लिए क्रिकेट निदेशक सहित कई भूमिकाएं निभा चुके हैं। पर आईपीएल फैंचाइजी से मुख्य कोच के तौर पर यह उनका पहला कार्यकाल होगा। गांगुली ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, दिल्ली

गांगुली ने भारतीय फुटबॉल टीम के शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ खेलने के फैसले का भी समर्थन किया और कहा कि इस तरह का अनुभव देश के फुटबॉलरों को बेहतर बनाने में मदद मिले। 1–6 की हार के बाद संवाददाताओं से कही। दो भूमिकाओं से इन्हें वाले संभावित हितों के टकराव के बारे में पूछे जाने पर गांगुली ने कहा, मेरे पास लोकपाल का आदेश है।



कैपिटल्स अच्छा खेलेगी। मैं इस भूमिका के लिए उत्साहित हूँ। गांगुली ने यह बात साल्ट लेक स्टेडियम में भारतीय फुटबॉल टीम की उरुग्वे के खिलाफ फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मिली 1–6 की हार के बाद संवाददाताओं से कही। दो भूमिकाओं से इन्हें वाले संभावित हितों के टकराव के बारे में पूछे जाने पर गांगुली ने कहा, मेरे पास लोकपाल का आदेश है।

गंवा दिए थे। पहला मैच भारतीय टीम ने 34 रन और दूसरा एक रन से गंवाया था। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर उनकी कप्तानी में टीम जीत का स्वाद नहीं चख सकी और चार मुकाबले हारकर सीरीज गंवाई।

पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, इसके बाद दूसरे मैच में इंग्लैंड ने 4 विकेट से जीत हासिल की। तीसरा मैच भारत ने 125 रनों से गंवाया। चौथे मुकाबले में इंग्लैंड ने 9 विकेट से जीत दर्ज की। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर खराब शुरुआत के बाद भारत ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी में जिम्बाब्वे के खिलाफ पहला मैच

जीता। इस सीरीज में बतौर कप्तान उन्होंने अपना पहला मैच जीता। भारत ने 3–0 से सीरीज अपने नाम की। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में भी भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन किया और 3–0 से सीरीज में जीत दर्ज की। इसके बाद जापान के खिलाफ एकमात्र मैच में टीम

को 2 रन से जीत मिली। एशियन गेम्स में श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में भारत ने अपने दोनों मुकाबले जीते और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मैच में जीत दर्ज करके श्रेयस अय्यर ने लगातार 10 मैच जीतने का कारनामा किया।

आईपीएल में छोड़ी छाप, यूपी टी20 लीग में भी किया प्रभावित, भुवनेश्वर की तपस्या के आगे आखिरकार हारे सिलेक्टर्स नई दिल्ली(एजेंसी)। 22 नवंबर 2022 को भुवनेश्वर कुमार ने भारतीय टीम की जर्सी में अपना आखिरी मैच खेला था। इन बीते चार वर्षों में कई तेज गेंदबाज टीम इंडिया में आए और धीरे-धीरे भुवनेश्वर का नाम गुमनाम होता चला गया। सिलेक्शन कमिटी की मीटिंग में भी भुवनेश्वर के नाम पर चर्चा होनी बंद हो गई। हालांकि, भुवनेश्वर की कड़ी मेहनत लगातार जारी रही और वह अपने काम में लगा रहे। निरंतरता के साथ की गई उस मेहनत का इनाम ही है कि भुवनेश्वर चार साल बाद भारतीय टीम में 36 साल की उम्र में वापसी करने में सफल रहे हैं। भुवनेश्वर की दोबारा भारतीय टीम में वापसी होगी, ऐसी उम्मीद हर किसी ने छोड़ ही दी थी। कई क्रिकेट पंडित तो भुवनेश्वर के रिटायरमेंट के ऐलान की राह देखने लगे थे। हालांकि, भुवनेश्वर ने बिना किसी बयानबाजी के अपनी गेंदबाजी को निखारना जारी रखा। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए कुल 17 विकेट निकाले। विकेट चटकाने से ज्यादा भुवनेश्वर कुमार की अंत के ओवरों में कमाल की गेंदबाजी ने हर किसी का ध्यान खींचा और उन्होंने आरसीबी को पहली बार चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। आईपीएल 2026 तो भुवनेश्वर के लिए और भी उम्दा रहा। भुवनेश्वर कुमार ने इस सीजन खेले 16 मुकाबलों में 17.89 की औसत से 28 विकेट निकाले और टूर्नामेंट में दूसरे सबसे ज्यादा सफलता विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। भुवनेश्वर की गेंदबाजी आरसीबी के लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने की वजह बनी। लगातार दो आईपीएल सीजन में कमाल की गेंदबाजी के चलते भुवनेश्वर के टीम इंडिया में कप्तान के लेक्टर मांगें उठने लगीं। भुवनेश्वर ने अपने दमदार प्रदर्शन से सिलेक्टर्स पर भी दबाव बनाया। इसके बाद यूपी टी20 लीग 2026 में भी भुवनेश्वर अपनी गेंदबाजी से छाप छोड़ने में सफल रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में 6.11 की इकॉनॉमी से गेंदबाजी करते हुए 11 मुकाबलों में कुल 14 विकेट चटकाए।